वैशाख कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 290 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

भोपाल

18 अप्रैल 2025 शुक्रवार

आज का मौसम

40 अधिकतम

24 न्यूनतम

अफसरों के सामने महिला थानेदार का शालीन नृत्य

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक महिला थानेदार टीनू सोगरवाल की शानदार डांस प्रस्तुति की चर्चा है। इसका वीडियो भी वायरल है। 'जय जय शिव शंकर कांटा लगे ना कंकर' गाने पर उनका शालीन नृत्य पसंद किया जा रहा है। टीनू सोगरवाल ने नीले रंग की धारियों वाली साड़ी पहनकर अत्यंत शालीनता से यह डांस किया। उनकी भाव-भंगिमा और आत्मविश्वास ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह कार्यक्रम जिला मुख्यालय पुलिस लाइन में आयोजित किया गया था, जहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

रेल्वे स्टेशनों पर समोसे कचौरी महंगे

ग्वालियर, एजेंसी

उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों से ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब पर खानपान के खर्च का बोझ बढ़ने वाला है। रेलवे ने अब खानपान के 60 आइटमों को महंगा कर दिया है। ये नई रेट लिस्ट अलाकार्ट यानी रेलवे स्टेशन पर बनाकर बेचने वाले आइटमों पर लागू होगी। इसके अंतर्गत स्टेशन पर अब 16 के बजाय 20 रुपये में दो समोसे मिलेंगे। वहीं कचौड़ी के लिए भी यात्रियों को 12 के बजाय 15 रुपये चुकाने होंगे। रेलवे ने अपने सभी जन आहार केंद्र, रिफ्रेशमेंट रूम, स्टाल्स में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि कर दी है।

कूनो के सबक ध्यान में, केंद्रीय वन मंत्री व सीएम की मौजूदगी में चीता प्रोजेक्ट 2.0 पर मंथन

जंगल-जलवायु पर फोकस : देश के भीतर चीतों की पहली शिफ्टिंग मप्र में

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आज मप्र सरकार का वन और पर्यावरण पर सीधा फोकस है। जंगलों की जनजातीय क्षेत्रों में पुर्नस्थापना और चीतों की शिफ्टिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो बडे मंथन हो रहे हैं। इसके लिये मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी राजधानी में हैं। पहला आयोजन प्रशासन अकादमी में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला बतौर हुआ। इसमें यादव ने कहा कि पहले तो प्राकृतिक चीजों का खूब इस्तेमाल होता था अब हर जगह कचरा नजर आता है। कार्यशाला में फॉरेस्ट राइट्स एक्ट, वन नीति और जैव विविधता अधिनियम में प्रस्तावित बदलावों पर चर्चा की जा रही है। इसी तरह देश के भीतर अब एक से दूसरे रहवास स्थल में चीतों की शिफ्टिंग जल्द शुरू की जा रही है तथा मप्र इसका पहला गवाह बनेगा, क्योंकि यह शिफ्टिंग पालपुर कूनो नेशनल पार्क से मंदसौर के गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य में होने वाली है। चीता स्टेयरिंग कमेटी इसकी मंजूरी दे चुकी है।

आज अपरांह मुख्यमंत्री मोहन यादव वन विभाग के अफसरों व केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में चीता प्रोजेक्ट पर अहम चर्चा भी करेंगे। यदि सब कुछ ठीम रहा तो चीतों को इसी महीने शिफ्ट किया जा सकता है। बैठक सीएम हाउस में होगी। जिसमें चीता प्रोजेक्ट से जुड़े अफसर बुलाए गए हैं। दरअसल मप्र के कूनो चीता प्रोजेक्ट में बरती गई तमाम सावधानियों के बावजूद कूनो में 8 वयस्क और 5 शावकों की मौत हो चुकी है। प्रत्येक मौतों पर अध्ययन किया जाकर कमियां पूरी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।उधर गांधी सागर अभयारण्य में चीतों को बसाने के लिए वहां घूम रहे तेंदुओं को बाहर किया है। इन तेंदुओं से चीता स्टेयरिंग कमेटी व दक्षिण अफ्रीका व नामीबिया के विशेषज्ञों के दल ने गांधीसागर भ्रमण के दौरान यह अंदेशा जताया था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना और समुदाय आधारित आजीविका पर राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रशासन अकादमी में शुभारंभ किया। केंद्रीय वन- पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव साथ रहे।

सीएम ने कहा- हम कष्ट बढ़ा रहे या कम कर रहे..

कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव ने कहा कि सरकार की अपनी एक सीमा और भूमिका है। जब हम उसे आजीविका से जोड़ने की बात करते हैं, तो मामला थोड़ा उलझ जाता है। हम शासन के माध्यम से इन क्षेत्रों का प्रबंधन करते हैं, तो यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि हम उनके लिए मददगार साबित हो रहे हैं या उनके कष्ट बढ़ा रहे हैं। हमने टाइगर रिजर्व बना दिए, सैंक्चुरी बना दी, अपने-अपने एरिया तय कर दिए। लेकिन जैसे ही ये एरिया तय हुए, सबसे पहले कहा गया, आबादियों को बाहर करो। यही इस पूरे संकट की जड़ है। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि विकास की दो प्रमुख अवधारणाएं हैं ङ्क एक पूर्व की (ईस्ट) और दूसरी पश्चिम की (वेस्ट)। पश्चिम की अवधारणा को एंथ्रोपोमेट्रिक डेवलपमेंट कहा जाता है, जो केवल मनुष्य-केंद्रित विकास है। वहीं, पूर्व की अवधारणा कहती है 'प्रकृति रक्षति रक्षितः' यदि आप प्रकृति की रक्षा करेंगे, तो प्रकृति भी आपकी रक्षा करेगी। हमारी पारंपरिक जीवनशैली प्रकृति के साथ समरसता का आदर्श उदाहरण रही है। पहले विवाह में पत्तलों जैसी प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग होता था, लेकिन अब हर जगह गार्बेज ही गार्बेज है, चाहे गांव हो, ट्राइबल या नॉन-ट्राइबल, हम सब प्लास्टिक का उपयोग करते हैं। यह जीवनशैली का बड़ा बदलाव है।

केदारनाथ रोप-वे प्रोजेक्ट में हाथ बंटाएंगे अडाणी

नईदिल्ली. एजेंसी

केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कुछ समय बाद 8-9 घंटे का सफर सिर्फ कुछ ही मिनटों में पूरा होगा। सरकार को भी सोनप्रयाग, गौरीकुंड और केदारनाथ को जोड़ने वाली रोपवे परियोजना से बिना किसी निवेश के अच्छी कमाई होगी। इस प्रोजेक्ट में अडानी एंटरप्राइजेज ने दिलचस्पी दिखाई है। कंपनी ने नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड के साथ रेवेन्यू में लगभग 42त्न हिस्सेदारी देने की बात कही है। यह ऐजेंसी पूरे देश में ऐसी परियोजनाओं को लागू करती है। लगभग 13 किलोमीटर का यह रोपवे बनने से यात्रियों का सफर बहुत आसान हो जाएगा। अभी गौरीकुंड से केदारनाथ का पैदल सफर पूरा करने में 8-9 घंटे लगने का समय लगता है। रोपवे से यह सफर में सिर्फ 36 मिनट में पूरा हो सकेगा।

खबरों के मुताबिक इस प्रोजेक्ट के लिए चार में से तीन बोलीदाताओं ने एनएचएलएमएल के साथ रेवेन्यू साझा करने की पेशकश की है। हाल ही में कैबिनेट ने 4,081 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पीपीपी मोड पर लागू करने की मंजूरी दी है। इस रोपवे से हर दिन 18,000 लोग सफर कर सकेंगे। यानी साल में लगभग 32 लाख लोग इससे यात्रा कर पाएंगे। केदारनाथ मंदिर आमतौर पर छह महीने के लिए खुलता है। यह प्रोजेक्ट छह साल में पूरा होगा।

42 फीसद हिस्सेदारी देने तैयार

ट्रंप बोले-हम चीन के साथ जोरदार डील करने जा रहे

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब कहा है कि हम चीन के साथ बहुत अच्छा सौदा करने जा रहे हैं, कोई भी हमसे मुकाबला नहीं कर सकता। ट्रम्प ने दावा किया कि चीन अमेरिका के साथ बैठक करने को तैयार है। कल मेक्सिको के राष्ट्रपति के साथ बहुत ही अच्छी बातचीत हुई है। इसी तरह जापान के बिजनेस प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की है और चीन समेत हर देश हमसे मिलना चाहता है। जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या अमेरिका को इस बात से परेशान होना चाहिए कि उसके सहयोगी चीन के करीब आ रहे हैं, इस पर उन्होंने कहा- नहीं। ज्ञात हो कि अमेरिका ने दो दिन पहले ही चीन पर 245त्न टैरिफ लगाया है। व्हाइट हाउस ने इसके पहले कहा कि राष्ट्रपति का मानना है कि अमेरिका नहीं बल्कि चीन को बातचीत की टेबल पर आना है। राष्ट्रपति ने बीजिंग पर बोइंग के एक बड़े सौदे से मुकरने का आरोप लगाया था। उधर चीन ने फिर कहा है कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए।

टैरिफ वार पर घमासान जारी

आंधी-बिजली से 16 मौतें

नई दिल्ली। उप्र-बिहार समेत उत्तर भारत के राज्यों में भारी बारिश और बिजली-आंधी का असर रहा और उप्र में 24 घंटे में 13 लोगों की मौत हो गई। बिजली-आंधी से अयोध्या में 6, बाराबंकी में 5, अमेठी और बस्ती में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। आज उप्र में 37 जिलों में बारिश का अलर्ट है। वहीं हिमाचल प्रदेश में 2 और पश्चिम बंगाल में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई है।आज जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा समेत 24 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।जबकि , राजस्थान के 9 जिलों में आज लू और धूलभरी आंधी की चेतावनी है। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 20 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। कल शाम शाजापुर-सीहोर जिले में बारिश हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन समेत प्रदेश के 20 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया।

15 साल बाद हुई बात, बांग्लादेश का पाक से 36 हजार करोड़ का तगादा

बिहारियों का मुद्दा भी उठा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 साल बाद विदेश सचिव स्तर की बातचीत हुई तो बांग्लादेश ने कई अनसुलझे मुद्दे उठा दिए। विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने पाकिस्तान से 1971 के अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी की मांग की व कहा कि 1971 में जब दोनों देश एक ही थे, पाकिस्तान तब की संयुक्त संपत्ति से बांग्लादेश के हिस्से के 4.3 अरब डॉलर (36 हजार करोड़ रु. या 52 हजार करोड़ टका) का भुगतान करे। इसके साथ 1970 में आए चक्रवात के वक्त बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) की मदद के लिए मिले 200 मिलियन डॉलर (करीब 2400 करोड़ टका) का भी भुगतान करे। बांग्लादेश ने ढाका शिविरों में रह रहे 3 लाख से ज्यादा फंसे हुए पाकिस्तानियों की वापसी का भी मुद्दा उठाया। बांग्लादेश में इन्हें 'बिहारी' कहा जाता है। ये मूल तौर पर उर्दू भाषी मुस्लिम प्रवासी हैं, जो 1947 में भारत के बंटवारे के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश से पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) बस गए थे।

मेट्रो एंकर

दिलीप घोष की पार्टी कार्यकर्ता के साथ हो रही *पहली* शादी

61 की उम्र में शादी कर रहे भाजपा के फायरब्रांड नेता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल भाजपा नेता दिलीप घोष शादी करने जा रहे हैं। इस फायरब्रांड नेता के बारे में खबर है कि उनकी शादी की रस्में आज कोलकाता में उनके घर पर होंगी। उनकी होने वाली पत्नी का नाम रिंकू मजूमदार है। वो भी बीजेपी की सदस्य हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि 61 साल के दिलीप घोष ने खुद ही कहा है कि रिंकू ने पिछले लोकसभा चुनाव में उनकी हार के बाद शादी का प्रस्ताव रखा था। दिलीप के करीबी लोगों के अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव हार गए थे तो वे काफी उदास थे, तो रिंकू ही पहली व्यक्ति थीं जिन्होंने उन्हें प्रस्ताव दिया था कि वे साथ मिलकर परिवार शुरू करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके साथ कोई नहीं है। वह दिलीप के साथ रहना चाहती है। घोष ने पहले शादी नहीं की थी, इसलिए ये उनके जीवन का एक बड़ा बदलाव है। शादी का कार्यक्रम उनके घर पर ही होगा। ये एक छोटा सा कार्यक्रम होगा जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। बताया जाता है कि 50 वर्षीय रिंकू मजूमदार तलाकशुदा हैं। उनका एक बेटा भी है जो बड़ा हो गया है। वो आईटी सेक्टर में काम करता है। दोनों को 3 अप्रैल को ईडन गार्डन्स में देखा गया था। रिंकू मजूमदार भाजपा की लंबे समय से कार्यकर्ता हैं और पश्चिम बंगाल के लिए काम करती हैं। रिंकू महिला मोर्चे की जिम्मेदारी संभालती हैं। उन्होंने भाजपा में ओबीसी मोर्चा और हथकरघा प्रकोष्ठ के साथ-साथ कई जिम्मेदारियां संभाली हैं। रिंकू का बेटा 25 साल का है, जो वह साल्टलेक में आईटी सेक्टर में काम करता है। हाल ही में दिलीप और रिंकू के साथ 3 अप्रैल को ईडन गार्डन में केकेआर का मैच देखने भी पहुंचे थे। इस दौरान रिंकू का बेटा भी स्टेडियम में उनके साथ मौजूद था। इसी के बाद से दोनों के रिश्तें की बातें सोशल मीडिया पर होने लगी थी।

मां के कहने पर हुए राजी

अब तक कुंवारे रहे दिलीप पहले तो शादी के लिये हिचक रहे थे। लेकिन बाद में अपनी मां के आग्रह पर विचार कर सहमत हो गए। छह महीने पहले तक भी उन्होंने शादी के बंधन में बंधने के बारे में नहीं सोचा था। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें यह भी एहसास हुआ कि जीवन का यह चक्र भी पूरा होना चाहिए। तीन अप्रैल को ईडन में केकेआर का आइपीएल मैच देखना व्यावहारिक रूप से एक फिक्स डील थी। उस दिन दिलीप, उनकी भावी पत्नी और भावी ससुराल वाले क्लब हाउस के बॉक्स नंबर 11 में बैठकर खेल देख रहे थे। दिलीप की शादी की खबर कल मीडिया में फैली जब सीधे तौर पर उनसे पूछा गया तो दिलीप ने चिरपरिचित अंदाज में कहा कि क्यों, क्या मैं शादी नहीं कर सकता? क्या शादी करना अपराध है?

गुड फ्रायडे : गिरजाघरों में आयोजन, विशेष प्रार्थना हुई

भोपाल। शहर के गिरजाघरों में लास्ट सपर यानि अंतिम भोज मनाया गया। प्रभु यीशु ने लास्ट सपर के माध्यम से ही परमप्रसाद, सेवा और पुरोहिताई जैसे कार्यों की नीव डाली थी। इस मौके पर गुरुवार को शहर के गिरजाघरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। गिरजाघरों के फादर ने शिष्यों के पैर धोए और पोछा। शुक्रवार को गिरजाघरों में गुड फायडे पर विशेष प्रार्थना हुई। इस मौके पर आर्च बिशप ने 12 शिष्यों के पांव पखारे। इस दौरान जहांगीराबाद स्थित सेंट फ्रांसिस चर्च में समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान आर्च बिशप डॉ एएएस दुरईराज ने प्रतीकात्मक रूप से 12 विश्वासियों के पैर पखारे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ईसा मसीह, ईश्वर के पुत्र होते हुए भी, वे केवल मानव सेवक बनना चाहते थे। उन्होंने प्रेम को एक नया अर्थ देते हुए अपने शिष्यों को एक-दूसरे के पैर धोने की शिक्षा दी। इसलिए, पवित्र गुरुवार यूखरिस्त, पुरोहिताई, प्रेम और सेवा के महत्व को दर्शाता एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। फादर अल्फ्रेड डिसूजा ने कहा कि कैथोलिक गिरजाघरों में गुरुवार की पवित्र पूजन विधि के बाद, मसीह के दुखभोग की स्मृति में कई घंटों तक पवित्र परम प्रसाद की आराधना की गई। प्रभु यीशु के क्रूस पर दिए बलिदान की याद में गुड फायडे शुक्रवार को मनाया। इस मौके पर गिरजाघरों में प्रभु यीशु का स्मरण किया और प्रार्थना हुई। गुड फायडे का दिन ईसाई समाज उपवास और प्रायश्चित के रूप में मनाता है। इस मौके पर शहर में क्रूस यात्राएं निकलेगी और प्रभु यीशु के बलिदान को याद किया। क्रूज यात्राएं दोपहर 3 बजे निकाली जाएगी। इसी प्रकार रविवार को प्रभु यीशु के पुर्नरूत्थान का पर्व ईस्टर मनाया। वहीं गोविंदपुरा के सेंट जांस चर्च में भी लास्ट सपर का आयोजन किया गया। इस मौके पर रेव्ह अनिल मार्टिन ने अपने संदेश में प्रभु यीशु मसीह के पवित्र ब्यारी का आयोजन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रभु यीशु के बताए मार्ग पर चलने और सेवा कार्य करने का संदेश दिया।

बिजली दफ्तर पर उमड़ रहे लोग, कहीं नाराजगी और प्रदर्शन के नजारे

गर्मी में बिजली की घोषित व अघोषित कटौती से लोगों में बढ़ रही नाराजगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में सूरज आग उगल रहा है और घरों में कई मोहल्लों कालोनियों में बिजली गुल हो रही हैं। ऐसी हालत में गर्मी और असहनीय होती जा रही है। यह आलम नए और पुराने शहर के कई इलाकों में है और अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान हो रहे हैं। भरी गर्मी में अचानक बिजली गुल होने के कारण इन्हें कई तरह की दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। ऐसी ही परेशानी से जूझ रहे जेपी नगर इलाके के रहवासियों ने तो बिजली कंपनी के छोला जोन दफ्तर का घेराव किया। बड़ी देर तक वहां हंगामा भी हुआ। प्रदर्शन करने वाले रहवासियों में ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं। ये रहवासी सुबह दफ्तर खुलते ही वहां पहुंच गए थे। इनका यह तर्क है कि सुबह से रात तक अचानक कई बार बिजली गुल हो रही है। गर्मी में कूलर, पंखे भी नहीं चला पा रहे हैं। बाहर तीखी धूप और घर के भीतर बिजली गुल होने से उमस के कारण बेहाली है। इन रहवासियों ने दफ्तर में मौजूद बिजली कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों से कई सवाल भी किए। मौके की नजाकत भांपते हुए जोन के अधिकारियों ने उत्तर संभाग के डीजीएम समीर शर्मा को भी बुला लिया गया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाइश देने की कोशिश की।

शहर के दोनों हिस्से में यही आलम

राजधानी के नये और पुराने शहर में कमोबेश हर दूसरी तीसरी बस्ती के लोग बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। मसलन पुराने शहर में दुर्गा चौक तलैया, इब्राहिमपुरा, लखेरापुरा, छोला सुलतानिया इमामी गेट नादरा बस स्टैंड, जहांगीराबाद, भानपुर, करोंद, चांदबड़, नए शहर के नर्मदापुरम रोड, कोलार, कटारा हिल्स की कई कॉलोनी में ट्रिपिंग और अघोषित कटौती से रहवासी परेशान हो रहे हैं। वहीं बिजली महकमा भी रोज रखरखाव या अन्य वजहों के चलते घोषित कटौती भी करता है। इधर नए भोपाल में भी गुलमोहर,बावडिया,रचना नगर से लेकर शिवाजी नगर में बिजली का बार बार गुल हो जाना समस्या बना हुआ है। शिवाजी नगर में बीते एक पखवाड़े से बिजली का बार बार गायब होना लोगों की नाराजगी का कारण बन रहा है।

लोड बढ़ रहा है इसलिए....

बताया जाता है कि कई इलाके के कई बकायादारों के कनेक्शन हाल में काटे गए हैं। बिजली गुल होने के कारण में बिजली चोरी के कारण लोड बढ़ना भी है। क्योंकि कई घरों में सेंक्शन लोड से कनेक्टेड लोड ज्यादा है। ट्रांसफार्मर की क्षमता के अनुसार लोड ज्यादा होने से ट्रिपिंग हो रही है। यदि लोग लोड के अनुरूप बिजली इस्तेमाल करेंगे और बकाया का भुगतान समय पर करेंगे तो समस्या हो नहीं होगी।

आरजीपीवी: छात्रों के बीच हुए झगड़े के मामले में पांच छात्रों को किया टर्मिनेट

कार्रवाई की अवधि पूरी पर अभिभावकों के शपथ पत्र पर ही मिलेगा प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित राजीव गांधी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में छात्रों के बीच हुए झगड़े के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रबंधन ने पांच छात्रों को टर्मिनेट कर दिया है। रैगिंग कमेटी की जांच में दोषी पाए जाने पर प्रबंधन द्वारा यह कार्यवाही की गई है।

जानकारी के अनुसार, मारपीट का मुख्य दोषी एक स्टूडेंट पूरे एक साल (दो सत्र) और चार अन्य दोषी छात्रों को छह माह (एक-एक सत्र) के लिए निष्कासित कर दिया गया है। साथ ही विद्यार्थियों का हॉस्टल का आवंटन भी निरस्त कर दिया गया है। अब कार्रवाई की अवधि पूरी होने के बाद अभिभावकों के शपथ पत्र पर ही इन छात्रों को प्रवेश मिल सकेगा।

कमेटी ने यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के प्राचार्य को आदेश देते हुए अनिकेत को सत्र 2024-25 और सत्र 2025-26 (एक वर्ष) के लिए निष्कासित कर दिया है। बीटेक सेकंड ईयर के स्टूडेंट निशांत मिश्रा, सौरभ बढोतकर और गौरव विश्वकर्मा के साथ ही एसओआईटी थर्ड ईयर के स्टूडेंट सौरभ राणा को छह माह सत्र 2024-25 के लिए निष्कासित कर दिया गया है। इनमें से हॉस्टल में रहने वाले छात्रों का हॉस्टल आवंटन भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

पासपोर्ट बनवाने भोपाल नहीं आना होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पासपोर्ट बनवाने के लिए प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आवेदकों को अब रीजनल पासपोर्ट ऑफिस भोपाल का चक्कर नहीं लगाना होगा। पासपोर्ट सेवा केंद्र के लिए डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र सुविधा का दायरा सभी जिलों में बढ़ाया जा रहा है। खरगोन एवं बड़वानी में शुरू किए पासपोर्ट सेवा केंद्र एवं डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र को भोपाल रीजनल ऑफिस से कनेक्टिविटी दी गई है। इस कार्यालय का उद्घाटन गुरुवार को किया गया। रीजनल पासपोर्ट ऑफिसर शीतांशु चौरसिया ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने डाक विभाग के साथ मिलकर इंडक्डक्शन प्रोग्राम भोपाल रीजनल पासपोर्ट ऑफिस में हुआ था।

राजधानी में बढ़ रहा है जलसंकट: 15 दिन में मेयर हेल्पलाइन पर पानी से जुड़ीं 93 शिकायतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में जल संकट बढ़ता ही जा रहा है। कम दबाव, पाइप लाइन रिसाव और अवैध पंपों द्वारा जल निकासी को लेकर लोग परेशान हैं। नगर निगम में इसकी शिकायतें अनसुनी हैं। सोनागिरी और कल्पना नगर क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्याएं बरकरार हैं। यहां के लोग पिछले 15 दिनों से पानी के कम दबाव का सामना कर रहे हैं। शिकायतों के बावजूद समस्या अनसुलझी है। अवधपुरी क्षेत्र में लिंक रोड नंबर एक के पास पाइपलाइन रिसाव के कारण प्रतिदिन पानी की बर्बादी हो रही है। जहांगीराबाद, बरखेड़ी व अशोका गार्डन जैसे क्षेत्रों में हर दूसरे दिन पानी की सप्लाई । बीएमसी जल दबाव की समस्या को स्वीकार किया है। अफसरों का कहना है कि अवैध मोटर पंपों द्वारा जल निकासी से शहर के वितरण नेटवर्क को प्रभावित कर रही है। मेयर हेल्पलाइन की समीक्षा में खुलासा हुआ कि पिछले 15 दिनों में जल आपूर्ति से संबंधित 93 शिकायतें दर्ज की गई। वहीं अवधपुरी के रीगल पैराडाइज फेज 1 में, पानी पिछले 10 दिनों से सड़क पर बह रहा है। यह समस्या जोन 14 के वार्ड 60 में उत्पन्न हुई है।

38,000 से अधिक एनसीसी कैडेट्स की जांच की

2047 तक सिकल सेल एनीमिया को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) ने सिकल सेल एनीमिया को जड़ से खत्म करने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के साथ साझेदारी की है। वर्ष 2047 तक देश से इस बीमारी को समाप्त करने का लक्ष्य है। प्रशिक्षण में 38,000 से अधिक एनसीसी कैडेट्स की सफलतापूर्वक जांच की गई। केवल जांच ही नहीं, जागरूकता भी इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। डॉ. डांगी के नेतृत्व में एनसीसी प्रशिक्षण शिविरों और संस्थानों में शैक्षणिक व्याख्यान और संवाद सत्र आयोजित किए गए। मार्च 2025 में उन्हें ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए), कांप्टी में प्रशिक्षु और रिफ्रेशर एनसीसी अधिकारियों को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया गया। बता दें कि सिकल सेल डिजीज (एससीडी) एक आनुवंशिक विकार है, जो पुरानी एनीमिया, तीव्र दर्द, अवरुद्ध विकास और हृदय, फेफड़े, किडनी, हड्डियों और मस्तिष्क जैसे महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचाता है। विगत वर्षों में देश में उक्त बीमारी की दर में वृद्धि देखी गई है, जिससे बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप की आवश्यकता महसूस हुई। एनसीसी की युवाओं में गहरी पहुंच को देखते हुए, एनसीसी गुप मुख्यालय भोपाल ने एनएचएम के साथ मिलकर अपने आठ यूनिट्स के प्रशिक्षण शिविरों के दौरान कैडेट्स की जांच शुरू की।

मेट्रो एंकर

पांच पूर्व सैनिकों को वेटरन अचीवर अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

थलसेना अध्यक्ष द्विवेदी ने सुदर्शन चक्र कोर का दौरा किया, परिचालन की तैयारियों की समीक्षा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सुदर्शन चक्र कोर की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। दौरे के दौरान, उन्हें मौजूदा गतिविधियों और आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने सैनिकों से बात की और युद्ध के मैदान में उनकी क्षमता, प्रशिक्षण और नवाचार के प्रति समर्पण की प्रशंसा की। जनरल ने समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पांच पूर्व सैनिकों को वेटरन अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित किया। दौरे के अंत में, जनरल द्विवेदी ने योद्धास्थल का दौरा किया, जहां उन्होंने भारतीय सेना की वीरता और इतिहास के बारे में जाना। यह स्थल जनता के लिए खुला एक रोचक और शैक्षिक अनुभव है, जो नागरिकों और सेना के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

जनरल ने ब्रिगेडियर रामनारायण विनायक, वीएसएम (सेवानिवृत्त) : पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम करते हैं। उन्होंने 300 से अधिक पूर्व सैनिकों के लिए एक सुरक्षा एजेंसी शुरू की, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों की वीर नारियों के लिए ईसीएचएस लाभ सुनिश्चित किए और उदार पारिवारिक पेंशन के लिए आवाज उठाई। अपनी पत्नी के साथ, वे शौर्य स्मारक में शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से शहीदों की विरासत को बढ़ावा देते हैं।

कर्नल वैभव प्रकाश त्रिपाठी (सेवानिवृत्त): मध्य प्रदेश पूर्व सैनिक लीग के उपाध्यक्ष हैं। वे बैतूल में ओजस शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान से जुड़े हुए हैं, जो पूर्व सैनिकों द्वारा चलाया जाता है और आदिवासी युवाओं को रक्षा बलों में शामिल होने के लिए प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करता है।

कर्नल के पी सिंह (सेवानिवृत्त): पूर्व सैनिकों और विधवाओं को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए जाने जाते हैं। वे बायोमेट्रिक जीवन प्रमाणन और स्पर्श से जुड़े मुद्दों को हल करने में मदद करते हैं। वे मुफ्त मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और स्थानीय वृद्ध और विकलांग संगठनों का समर्थन करते हैं।

नायक अनिल कुमार वर्मा (सेवानिवृत्त): अपने पैतृक घर को छात्रावास में बदलकर, बिलासपुर में वंचित आदिवासी बच्चों के लिए एक स्कूल की स्थापना की, जहां लगातार 97 फीसदी से अधिक बोर्ड परीक्षा परिणाम रहे हैं। सामाजिक प्रतिबद्धता के प्रतीक, वे अन्य पूर्व सैनिकों को प्रेरित करते हैं।

लांस दफादार प्रदीप कालसकर (सेवानिवृत्त): पूर्व सैनिकों की पेंशन और वित्तीय समस्याओं को हल करने में सक्रिय हैं। उन्होंने आग से पांच लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और 1,000 से अधिक पौधे लगाने के लिए वृक्ष मित्र के रूप में सम्मानित किए गए।

प्रतिभा सम्मान समारोह : 200 युवक-युवतियों का सम्मान

हिरदाराम नगर. संस्कार वेलफेयर सोसाइटी द्वारा डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में समाज के 200 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे जिन्होंने शिक्षा, खेल, संगीत, नाट्य मंचन जैसी विधाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित थे। जिन्होंने प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। किशन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया और कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति और समाज का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सिकरवारे ने बताया कि वर्ष 2013 से यह कार्यक्रम निरंतर आयोजित किया जा रहा है अब तक 5000 से अधिक प्रतिभागियों का सम्मान किया जा चुका है सम्मान समारोह कार्यक्रम में बीए, बीकॉम, बीटेक, बीसीए, एमसीए, पीएचडी, संगीत, नाटक मंचन जैसी विधाओं में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समिति के सचिव रमेश कुमार, समिति के पदाधिकारी राकेश वर्मा, राजेश, रवि, संजय, चरण सिंह, काशी प्रसाद, समिति के संस्थापक अवध नारायण जरेलिया, समिति के समस्त पदाधिकारी सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कई आईएफएस के पास करोड़ों की संपत्ति, उससे कर रहे कमाई

आईएफएस अफसरों को कमाई मालूम लेकिन संपत्तियों की मौजूदा कीमत नहीं!

भोपाल. दोपहर मेट्रो। *प्रदेश में काम कर रहे कई आईएएस और आईपीएस अफसरों की तरह आईएफएस के पास भी करोड़ों रुपए की संपत्ति है, वे इससे लाखों कमा रहे है फिर भी उन्हें उन संपत्तियों की मौजूदा कीमत नहीं पता। इन आईएफएस ने खुद राज्य व केंद्र को दिए अचल संपत्ति के ब्यौरे में बताया है। मप्र कैडर के ऐसे आईएफएस में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक -एपीसीसीएफ- मोहन लाल मीणा भी है। वह वेतन के साथ साथ 4.15 लाख रुपए सालाना कमाते हैं। यह कमाई इन्हें पत्नी, बेटे व स्वयं के नाम के नाम की 13 अंचल संपत्तियों से हो रही है। सभी संपत्तियां लगभग वर्ष 2000 के बाद खरीदी। इनमें से 12 संपत्तियों की खरीदी कीमत 1.48 करोड़ थी, जिनकी वर्तमान कीमत नहीं बताई गई, जो कि करोड़ों की हो चुकी है। गौरतलब है कि संपत्ति ब्योरे में अभा सेवा के तीनों संवर्ग के अफसरों ने संपत्ति तो जाहिर की है लेकिन अधिकांश ने इसकी खरीदी के समय की कीमत बताई है मौजूदा कीमत पर चुप्पी रखी है।*

मोहन लाल मीना, एपीसीसीएफ, निगरानी व विकास

- भोपाल के संत आशाराम नगर में 2402 स्क्वेयर फीट जमीन, 2001 में 2.64 लाख में ली, अभी कीमत पता नहीं।
- राजस्थान के देवली में 0.42 हेक्टेयर जमीन, 2011 में 1.79 लाख में ली। अब कीमत घटकर 1.48 लाख रुपए रह गई। 10 हजार रुपए सालाना आवक हो रही।
- राजस्थान के टोंक की गंगा विहार कॉलोनी गोपालपुरा में 2600 स्क्वेयर फीट का मकान, 2006 में 18.80 लाख में खरीदा, अभी भी इतनी ही कीमत, 1 लाख रुपए आवक हो रही।
- भोपाल के वाइसराय पार्क गुल्मोहर में 1650 स्क्वेयर फीट में मकान, 2008 में 18.20 लाख में खरीदा, अब भी इतनी ही कीमत, 1 लाख रुपए सालाना आय हो रही।
- राजस्थान के टोंक में 1.42 हेक्टेयर जमीन, 2016 में 9.35 लाख में ली, अब भी इतनी ही कीमत, 20 हजार रुपए सालाना आय हो रही।
- राजस्थान टोंक की देवली तहसील में 0.53 हेक्टेयर जमीन, 2008 में 1.52 लाख में खरीदी, कीमत नहीं बढ़ी, 20

हजार रुपए आय हो रही।

- राजस्थान के ही टोंक में 0.52 हेक्टेयर जमीन, 2018 में पत्नी के नाम 3.60 लाख में खरीदी, 20 हजार रुपए कमाई हो रही।
- राजस्थान के जयपुर स्थित जगतपुरा में 3300 क्वेयर फीट का मकान, प्लाट 2019 में 38.50 लाख में खरीदा, पत्नी का भी नाम, बैंक से लोन भी लिया।
- राजस्थान के टोंक देवली में 0.32 हेक्टेयर जमीन, 2020 में 2.45 लाख में खरीदी, अब भी इतनी ही कीमत, 5 हजार रुपए सालाना आय।
- भोपाल के कोलूखेड़ी में 11 हजार 25 स्क्वेयर फीट जमीन, 2024 में पत्नी, बेटे के नाम से 35.86 लाख में खरीदी।
- राजस्थान के देवली स्थित संथाली गांव में 1.52 हेक्टेयर जमीन, पत्नी व स्वयं के नाम 2018 में 11.02 लाख में खरीदी। 50 हजार रुपए आय हो रही।
- राजस्थान के संथाली गांव में 1.92 हेक्टेयर जमीन 2007 में 3.91 लाख में खरीदी, अभी कीमत मालूम नहीं, इसमें पत्नी का भी नाम। 1 लाख रुपए सालाना कमाई हो रही।
- राजस्थान में 5 हेक्टेयर जमीन व मकान परिवार के साथ शामिल में है। अभी बंटवारा नहीं हुआ। सालाना आय 10 हजार रुपए हो रही।

उत्तम कुमार शर्मा, एपीसीसीएफ एवं डायरेक्टर चीता प्रोजेक्ट

- देहरादून में मां से 255.95 स्क्वेयर मीटर जमीन दान में मिली, जिस पर 2018 में 30 लाख से मकान बनवाया। वर्तमान कीमत 50 लाख रुपए।
- लक्ष्मीनारायण शर्मा ऐरोसिटी भोपाल में 135 वर्ग मीटर जमीन, कीमत 30 लाख रुपए, पत्नी दीपिका शर्मा के नाम। बीडीए भोपाल से खरीदी।

बीएस अन्निगिरी, एपीसीसीएफ आईटी

- इंदौर के महू में 167.22 स्क्वेयर मीटर रहवासी प्लाट, 2010 में 5.50 लाख में खरीदा, अब कीमत 10.50 लाख रुपए, इसमें पत्नी का भी नाम।
- दूसरा रहवासी प्लाट भी महू में ही 2010 में खरीदा, पत्नी और स्वयं का नाम, 5.67 लाख में खरीदा, अब कीमत 12 लाख रुपए।

अर्चना शुक्ला, एपीसीसीएफ एवं एमडी राज्य वन विकास निगम

- एमराल्ड पार्क सिटी बागसेवनिया में डुप्लेक्स, 2013 में 31.52 लाख में खरीदा, अब कीमत 1.25 करोड़ रुपए, पति के साथ मिलकर खरीदा, 20 लाख रुपए हाउसिंग लोन लिया। 1.84 लाख रुपए सालाना आय हो रही।
- तुलसी टॉवर में 3-बीएचके फ्लैट, 2019 में एक करोड़ में खरीदा, अब कीमत 1.25 करोड़ रुपए। एसबीआई से 45 लाख रुपए लोन लिया। सालाना आय 1.92 लाख रुपए हो रही।

बिंदू शर्मा, एपीसीसीएफ, केंद्र में लाइजनिंग ऑफिसर

- दिल्ली के जंगपुरा में फ्लैट, 2024 में 3.60 करोड़ रुपए में पति के साथ मिलकर खरीदा, सालाना कमाई 14.46 लाख रुपए हो रही।

यादव सरकार लाएगी पंचायत सचिव व रोजगार सहायक तबादला नीति

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने रीवा में ली समीक्षा बैठक में की घोषणा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पंचायत सचिवों के साथ पहली बार सरकार रोजगार सहायकों को तबादला कराने का अवसर देने वाली तबादला नीति लाने जा रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने यह बात गुरुवार को रीवा में ली समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने स्थानीय विकास कार्यों को मंजूरी दी। बता दें कि लंबे समय से पंचायत सचिव व ग्राम रोजगार सहायक तबादला नहीं होने को लेकर परेशान हैं, ओर मंत्रियों के बंगलों के चक्कर काट रहे हैं। जब यह बात मंत्री के संज्ञान में आई तो उन्होंने समग्र तबादला नीति जारी करने की घोषणा की। आमतौर पर जिला स्तर पर जिला पंचायत सीईओ व अन्य अधिकारी ही सचिवों का तबादला करते हैं, जबकि 95 फीसद ग्राम रोजगार सहायकों के तबादले तो संविदा नियुक्ति के बाद से ही नहीं हुए। मंत्री पटेल के पास रीवा जिले का प्रभार है, समीक्षा बैठक में उनके साथ उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य जनप्रतिनिधि थे।

गुना घटना के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गुना के कर्नल गंज में स्थित मदीना मस्जिद से हनुमान जन्मउत्सव यात्रा पर हुए हमले, इंटेजेन्सी विफलता, घटना के पीएफआई कनेक्शन की जांच के लिए विश्व हिंदू परिषद द्वारा राजधानी के महाराणा प्रताप चौराहे पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन भी सौंपा गया। इस विहिप ने कहा कि इस घटना से सभ्य समाज हतप्रभ है और इस घटना की घोर निंदा करता है। बजरंग दल प्रान्त संयोजक अवदेश तिवारी ने कहा कि देश में संविधान, कानून व्यवस्था, लोकतंत्र सब यदि सुरक्षित है तो सिर्फ और सिर्फ हिन्दू समाज की सहिष्णुता के कारण है। हिंदू समाज की शांति को कमजोरी ना समझा जाए। प्रशासन भेदभाव और पक्षपात ना करे।

स्कूली शिक्षा अब एजुकेशन पोर्टल 3.0 से चलेगी, हर प्रक्रिया ऑनलाइन

स्कूल शिक्षा विभाग ने नए शिक्षा सत्र से शुरू किया एजुकेशन पोर्टल पर कार्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग ने नए शिक्षा सत्र से एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर काम शुरू कर दिया है। इस पोर्टल में विभाग से जुड़ी मानव संसाधन की व्यापक जानकारी का समावेश किया गया है। इस पोर्टल से विभाग के कर्मचारियों का डाटाबेस तैयार किया गया है। पोर्टल में मानव संसाधन से संबंधित जानकारी को कर्मचारी और विकासखण्ड स्तर पर वेरीफाई किया गया है। इसमें विभाग के करीब 2 लाख 75 हजार कर्मचारियों की समस्त जानकारी पारदर्शी रूप से पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी है। विभाग के पौने तीन लाख कर्मचारियों के स्थानांतरण को भी पारदर्शी माध्यम से स्थानांतरण नीति-2022 के आधार पर ऑनलाइन ट्रांसफर मॉड्यूल तैयार किया गया है। उच्च पद प्रभार एवं अतिथि शिक्षक प्रक्रिया को भी पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा रहा है। विभाग के सभी कर्मचारियों को वेतन पर्ची उनके मोबाइल पर प्राप्त हो सके, ऐसी व्यवस्था विभाग द्वारा की गयी है।

जानकारी सुरक्षित रहे, इसके लिए ब्लॉक चेन बेस्ड टेक्नोलॉजी

एजुकेशन पोर्टल 3.0 में एकीकृत डाटाबेस के आधार पर जानकारी तैयार की जा रही है। यह जानकारी सुरक्षित रहे, इसके लिये ब्लॉक चेन बेस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। विभाग में विभिन्न जानकारियों के लिये अलग-अलग पोर्टल का उपयोग अब तक किया जा रहा था। अब विभाग में एकीकृत पोर्टल के माध्यम से सभी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा सकेगा।

इन्फा-स्ट्रक्चर और प्रोक्योरमेंट को भी ऑनलाइन किया

सभी सरकारी स्कूलों में उपलब्ध इन्फ्रा-स्ट्रक्चर और प्रोक्योरमेंट को भी ऑनलाइन किया गया है। अभिभावकों की सुविधा के लिये पोर्टल के माध्यम से बच्चे की डायरी को भी ऑनलाइन किया जा रहा है, जिससे अभिभावक अपने बच्चों के टेस्ट, मार्क्स एवं होमवर्क ऑनलाइन देख सकेंगे। विद्यार्थियों के लिये व्होकेशनल और कैरियर गाइडेंस को ऑनलाइन किया गया है, जिससे विद्यार्थी प्रगति की ओर अग्रसर हो सकें। पहली बार प्रदेश में सरकारी स्कूल की केश-बुक ऑनलाइन लिखने की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे विभाग के बजट की पूर्णतरू मॉनीटरिंग किया जा सकेगा। विभाग के सभी छोटे-बड़े निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग भी ऑनलाइन करने की सुविधा पोर्टल में दी गयी है।

मॉनीटरिंग सहित एआई तकनीक का उपयोग

एजुकेशन पोर्टल 3.0 में ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग किया जा रहा है। पोर्टल पर दी गई सुविधा से स्कूल स्तर पर विद्यार्थी एआई जैसी तकनीक का उपयोग कर सकेंगे। सीएम राइज योजना के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में सिलेबस, कैलेण्डर, टाइम-टेबल, टीचर एण्ड क्लॉस और स्कूल ट्रांसपोर्ट जैसी गतिविधियों को ऑनलाइन किया गया है। प्रदेश के सरकारी स्कूल की बसों में भी जीपीएस एवं कैमरों के माध्यम से मॉनीटरिंग की व्यवस्था एजुकेशन पोर्टल 3.0 में की गयी है।

छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे

विभाग के कर्मचारी छोटी-छोटी समस्याओं के लिये जिला या मुख्यालय स्तर पर चक्कर न लगायें। इसके लिये उनकी शिकायतों निराकरण के लिये परिवेदना प्रणाली को ऑनलाइन किया गया है। पोर्टल में इंटीग्रेटेड डेशबोर्ड से मुख्यालय, जिला व विकासखण्ड स्तर पर समस्त गतिविधियों की मॉनीटरिंग किये जाने की व्यवस्था की है।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई' निविदा सूचना, संख्या **EPS/68/2025**)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए "https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्रं.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा संख्या
1	38241728B	ब्रेक बीम प्राथमिक	661संख्या
2	30241055	आरडीएसओ से एंकर लिंक के लिए साइलेंट ब्लॉक की खरीद	11420संख्या
3	38242200	एडाप्टर ए.ए.आर. स्टैंडर्ड वाइड जॉ.	6531संख्या
4	80251056	WAG-9/WAP7 लोको एक्सल बॉक्स बेयरिंग के लिए शेल गैडस S5 V42P ग्रीस	10300किग्रा.
5	80251017	हाइड्रोलिक तेल एचएलपी – 68 एन आरडीएसओ अतिरिक्त आवश्यकता के साथ।	76630 एलटीआर
6	38251918	हैंड ब्रेक व्यवस्था के लिए केबल असेंबली	2068संख्या
7	38241347	वितरक वाल्व पूर्ण	412संख्या

उपरोक्त निविदाओं की नियत तिथि क्रमांक 1 और 2 – 12.05.2025, क्रमांक 3 – 14.05.2025, क्रमांक 4 – 15.05.2025, क्रमांक 5 – 19.05.2025, क्रमांक 6 – 22.05.2025 और क्रमांक 7 – 28.05.2025 है। 50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता.)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

संपादकीय

मनरेगा की महत्ता

करीब डेढ दशक पुरानी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा की उपयोगिता कई बार सिद्ध हो चुकी है, यह कई मोर्चों पर कारगर साबित हुई है लेकिन यह योजना जिस तरह का आकार और विस्तार पा सकती है, वैसा शायद नहीं हो पा रहा है, इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन सामाजिक तौर पर प्रभावी योजना के बारे में सरकार के स्तर पर किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं हो तो बेहतर है। इस बदलते वक्त और उभरती चुनौतियों के बावजूद आज भी प्रासंगिक मनरेगा के बारे मेा जाहिर तथ्य है कि इस कार्यक्रम के लागू होने के बाद लाखों मजदूरों को काम मिला और गांवों से पलायन में काफी हद तक कमी आई। मनरेगा ने हर बार साबित किया कि भारत में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वह आज भी उम्मीद की किरण है। क्योंकि इस कार्यक्रम से लाखों अकुशल श्रमिकों और महिलाओं को पूरे वर्ष में सौ दिन के रोजगार की गारंटी मिली। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए। यही वजह है कि इस कार्यक्रम में काम के दिन बढ़ाने की मांग अक्सर उठती रही है। अब हाल में संसद की स्थायी समिति ने भी मनरेगा पर भरोसा जताते हुए काम के दिनों की संख्या बढ़ा कर पांच महीने यानी डेढ़ सौ दिन करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा उस समिति ने दैनिक पारिश्रमिक कम से कम चार सौ रुपए करने की सिफारिश की है। दरअसल, अभी मनरेगा के तहत मिलने वाली मजदूरी इतनी कम है कि इससे किसी व्यक्ति या परिवार की न्यूनतम जरूरतें भी पूरी नहीं हो सकतीं। रोजगार योजना के लिए आबंटित राशि में लंबे समय से ठहराव पर समिति की चिंता इसी संदर्भ में है। कोई दो राय नहीं कि इसकी राशि बढ़ने से इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी। हालांकि मनरेगा में वित्तीय अनियमितता की भी शिकायतें मिलती रही हैं। इसके प्रति श्रमिकों का रुझान घटने और मजदूरी देर से मिलने पर सवाल उठते रहे हैं। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने तीन साल पहले मनरेगा का विश्लेषण करते हुए कई सुझाव दिए थे। तब उस समिति ने भी इस कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए काम के गारंटीशुदा दिनों को सौ से बढ़ा का डेढ़ सौ करने की सिफारिश की थी और सभी राज्यों में समान मजदूरी दर करने का सुझाव दिया था। अब संसद की समिति ने उन सुझावों पर एक तरह से मुहर लगाई है। अगर मनरेगा में नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए स्वतंत्र और पारदर्शी सर्वेक्षण होगा, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे। भविष्य में इस कार्यक्रम से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें दोराय नहीं कि मनरेगा ने अपनी सार्थकता साबित की है,सरकार यूं तो कई योजना चलाती हैं लेकिन किसी योजना का इतना प्रभावी व अपरिहार्य बन जाने बहुत कम ही होता है। अब वक्त आ गया है कि सरकार मनरेगा से मिलने वाले काम के दिनों और मजदूरी में इजाफे के बारे में तत्काल निर्णय ले। अब जो मौसम सिर पर है वह भी अविकसित व ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे काम पर आश्रित परिवारों के लिए पलायन और अन्य मजबूरियों को लाता है। मनरेगा को मजबूत बनाने के लिये कई बार संसद में और संसद के बाहर भी आवाजें उठ चुकी हैं। अक्सर योजना के साथ कई सियासी संदर्भ जोड दिये जाते हैं, यह योजना एक वक्त सियासत में भी गेमचेंजर की तरह साबित हो चुकी है लेकिन सियासत बदलने या सरकार के बदलने से उपयोगी योजना में ठहराव ठीक नहीं होता।

सबसे बड़ा दोष किसी भी दोष का ज्ञान न होना है।

- कार्लाइल

आज का इतिहास

- 1612 : शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया।
- 1902 : अपराधियों की पहचान के लिए डेनमार्क ने सबसे पहले फिंगरप्रिंट दर्ज करना स्टार्ट किया।
- 1917 : महात्मा गांधी ने अपने सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत के लिए बिहार के चंपारण का चयन किया।
- 1950 : विनोबा भावे ने आंध्र प्रदेश (तेलंगाना) के पचमपल्ली गांव से भूदान आंदोलन की शुरुआत की।
- 1968 : अमेरिका ने नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- 1971 : भारत का पहला जंबो जेट बोइंग- 747 मुंबई पहुंचा और इसे सम्राट अशोक नाम दिया गया।
- 1991 : केरल को देश का पहला पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया।
- 1994 : वेस्टइंडीज के बल्लेबाज़ ब्रायन लारा ने 375 रन बनाकर टेस्ट मैच की एक पारी में सर्वाधिक रन बनाने का वर्ल्ड रिकार्ड बनाया।
- 2001 : भारतीय सीमा में घुसी बांग्लादेश की सेना की गोलीबारी से भारत के 16 जवान शहीद हुए।
- 2002 : 1973 से इटली में निवास कर रहे अफ़ग़ानिस्तान के पूर्व शासक मोहम्मद जहीर शाह काबुल लौटे।
- 2006 : राबिन हुड का शहर नाटिंघम लूटग्रस्त शहर घोषित।
- 2008 : भारत और मैक्सिको ने नागरिक उड्डयन और ऊर्जा के क्षेत्र में नए समझौते किए।
- 2008: इंफोसिस टेक्नोलाजी ने विकास के लिए अमेरिका की कॉनसेको के साथ पांच वर्ष के लिए करार किया।
- 1621 : सिखों के नौंवे गुरु तेग बहादुर का जन्म।
- 1858 : आधुनिक भारत के सबसे बड़ा समाज सुधारक महर्षि डॉ धोंड़ो केशव कर्वे का जन्म।
- 1928 : भारतीय सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री दुलारी का जन्म।
- 1916 : हिन्दी फ़िल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री ललिता पवार का जन्म।
- 1978 : आधुनिक नई दिल्ली का निर्माण करने वाले सोभा सिंह का निधन।

निशाना

चल रही लड़ाई !

-कृष्णेन्द्र राय

तू डाल डाल, मै पात पात ।
चल रहा फिलहाल ।।
कौन सही कौन गलत ।
बड़ा है सवाल ।।
है लड़ाई जारी ।
सबकी अपनी जंग ।।
है कोई नाराज ।
किसी को उमंग ।।
कोर्ट और सरकार में ।
चल रही लड़ाई ।।
कौन पड़ेगा भारी ?
है वो घड़ी आई ।।
अपने अपने ढ़ंग से ।
हैं सबके प्रहार ।।
सबकी अपनी हद ।
और अपने अधिकार ।।

विश्व विरासत दिवस- 18 अप्रैल, 2025

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

■ ललित गर्ग

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीज़ा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। चीन की महान

दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्ज़ा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना 'एल कैस्टिलो' पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्ज़ा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है। भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफ़न टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है।

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हज़ारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने ज़रूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हज़ारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

टैरिफ के मुकाबले को चीनी आर्थिक दीवार

■ पुष्परंजन

टैरिफ वॉर के बावजूद चीन अपने जीडीपी में 5.4 फीसद की बढ़ोतरी, पहली तिमाही में कर लेता है, तो यह बड़ी बात है। 'नेशनल ब्यूरो ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स' ने बुधवार को तब डाटा जारी किया, जब राष्ट्रपति शी , तीन पूर्वी एशियाई देशों की यात्रा के अंतिम चरण में थे। शी सोमवार को वियतनाम और मंगल को मलेशिया पहुंचे। मंगलवार शाम को राजधानी कुआलालंपुर में शी का ज़ोरदार स्वागत हुआ। यह 2013 के बाद से उनकी पहली मलेशिया यात्रा है। वे वियतनाम से यहां आए हैं। उन्होंने हनोई में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर रेल विकास तक, दर्जनों व्यापार सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

शी ने आखिर किन वजहों से तीन देशों में जाना तय किया? दरअसल, 9 अप्रैल को रोक लगाने से पहले, ट्रम्प ने कई निर्यात-उन्मुख दक्षिण-पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर सबसे अधिक 'पारस्परिक' टैरिफ लगाए। उन्होंने कंबोडिया पर 49 प्रतिशत के टैरिफ लगाए, जबकि वियतनाम और मलेशिया पर क्रमशः 46 प्रतिशत और 24 प्रतिशत शुल्क लगाया गया। व्यापार युद्ध और तेज़ हो गया है, क्योंकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि चीन को अब अमेरिका में आयात पर 245 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है।

वियतनाम अमेरिका द्वारा अधिकतम 46 प्रतिशत टैरिफ को लेकर ग़ुस्से में है। सोमवार को वियतनामी अख़बार 'नहान डैन' में प्रकाशित एक लेख में, शी ने संरक्षणवाद की अपनी आलोचना दोहराते हुए कहा कि चीन और वियतनाम को मिलकर बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और स्थिर आपूर्ति शृंखलाओं की रक्षा करनी चाहिए। यात्रा से पहले, शी ने तीन मलेशियाई समाचार आउटलेट द्वारा प्रकाशित एक लेख में चीन और मलेशिया के बीच 'बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग की गति को बढ़ाने' का संकल्प लिया। टोरंटो विश्वविद्यालय में चीनी राजनीति की प्रोफेसर लिनेट ओंग ने कहा, 'मैं इसे व्यापार युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ लड़ने के लिए गठबंधन बनाने के शी के प्रयास के रूप में देखती हूं।'

10-सदस्यीय 'आसियान' के कई देश अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने से नाखुश हैं। वाशिंगटन ने मलेशिया पर 24 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाया, जिसे मलेशियाई अधिकारियों ने अस्वीकार कर दिया। मलेशिया, जो अपनी गुटनिरपेक्ष स्थिति का दावा करता है, सौदे पर बातचीत करने के लिए वाशिंगटन, एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। कई दक्षिण-पूर्व एशियाई सरकारें अमेरिकी बाजार तक अपनी पहुंच बनाए रखने के लिए ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत करने की उम्मीद करती हैं। वियतनाम ने भी अधिक अमेरिकी सामान खरीदने, और अमेरिकी आयातों पर शुल्क में कटौती करने की पेशकश की है।

कंबोडिया ने भी यू.एस. आयात पर टैरिफ को घटाकर पांच प्रतिशत करने की पेशकश की है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचाये रखने का आज 15वां दिन है। ट्रंप ने 2 अप्रैल को वैश्विक बाजारों में अराजकता फैला दी, जिसे उन्होंने 'मुक्ति दिवस' कहा। एक दिन पहले वो ऐसा करते, तो बिना कहे लोग मान लेते कि ट्रंप, 'मूर्ख दिवस' मना रहे हैं। इस तथाकथित 'मुक्ति दिवस' की अर्थशास्त्रियों ने जमकर आलोचना की थी, और इसे निरर्थक बताया था। आयातित वस्तुओं पर वैश्विक स्तर पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया, जबकि कई देशों को उनके साथ अमेरिकी व्यापार घाटे के आधार पर बहुत अधिक शुल्क का सामना करना पड़ा। एक ऐसा कदम, जो अवांछित और हाहाकारी है।

कुछ ही दिनों में बाजार में उथल-पुथल, खरबों डॉलर की संपत्ति का सफाया और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल देखा गया, ट्रम्प ने बड़े टैरिफ पर 90-दिन की रोक की घोषणा की, लेकिन वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगियों सहित सभी देशों पर 10 प्रतिशत के उपाय को बरकरार रखा। मगर, ट्रम्प ने मैक्सिको और कनाडा को बख्शा नहीं। इन पर लगाए गए 25 फीसद टैरिफ को बरकरार रखा। फिर उन्होंने चीन को निशाने पर लिया। जिससे बाज़ार में अराजकता फैल गई। क्या इसे 'टैरिफ वॉर' कहें, या कि 'टैरिफ टेररिज़म'?

ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ ने वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है। कई निवेशक और बाजार पर्यवेक्षक वैश्विक आर्थिक मंदी के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। 16 अप्रैल को, प्रेसिडेंट शी इस्ताना नेगरा में मलेशिया के राजा, सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर से मिले। इसके बाद प्रधानमंत्री अनवर के साथ दोपहर में पुत्रजया में सेरी परदाना कॉम्प्लेक्स (प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास) में बैठक हुई, जहां दोनों नेताओं की उपस्थिति में कई सहमति ज्ञापनों और द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए।

आज चीन, कंबोडिया का सबसे बड़ा निवेशक, व्यापारिक साझेदार और डोनर है। इसके विपरीत, अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों ने कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए कम्बोडिया पर प्रतिबंध लगाए हैं, और फंडिंग में कटौती की है, जिससे नोम पेन्ह, पेइचिंग की बांहों में और भी अधिक चला गया है। कंबोडिया में चीनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' मज़बूती से आगे बढ़ रहा है, इस कारण चीनी सहायता और निवेश पर नोम पेन्ह की निर्भरता बढ़ी है। वर्ष 1953 में कंबोडिया को फ्रांस से स्वतंत्रता मिलने के बाद द्विपक्षीय संबंध मधुर हुए। थाईलैंड और दक्षिण वियतनाम के प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश में, कंबोडिया ने चीन के साथ मजबूत संबंध बनाए।

अमेरिका से 'फुल स्केल' टैरिफ युद्ध छिड़ने से पहले, क्या शी अपने गिर्द एक 'आर्थिक ग्रेट वाल ऑफ़ चाइना' का सृजन आरम्भ कर चुके हैं? लेकिन इस टैरिफ वॉर में ग़लत-सही सूचनाओं का भी युद्ध छिड़ा हुआ है। चीन, 2025 की पहली तिमाही में 5.4 फीसद जीडीपी की बढ़ोतरी का दावा ठोक रहा है। इसके उलट, अमेरिका परस्त आर्थिक विश्लेषक, गोल्डमैन सैक्स का मानना है, कि इस साल शी की अर्थव्यवस्था सिर्फ़ 4 फीसदी बढ़ेगी। वॉल स्ट्रीट निवेश बैंक को चिंता है, कि शी की अब तक की कार्रवाइयां 'टैरिफ के नकारात्मक प्रभाव को पूरी तरह से संतुलित करने' के लिए पर्याप्त नहीं हैं। कम से कम, यूबीएस के अर्थशास्त्री ताओ वांग का मानना है, कि चीन इस साल सिर्फ़ 3.4 फीसद, और 2026 में 3 प्रतिशत बढ़ेगा, क्योंकि ट्रंप के टैरिफ, निर्यात को रोक रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन अपने देश में इसका दुष्प्रभाव देख रहे हैं। जॉन बोल्टन के अनुसार, 'व्यापार के मामले में चीन को आड़े हाथों लेने के ट्रंप के कदम उलटे पड़ सकते हैं, क्योंकि उनके व्यापक वैश्विक टैरिफ, सहयोगियों के साथ-साथ प्रतिद्वंद्वियों को भी प्रभावित करेंगे।'

अप्रैल में अमेरिकी उपभोक्ता सेंटीमेंट्स में वैसी गिरावट दिखी, जो कोविड महामारी के बाद दूसरी सबसे गहरी गिरावट है। करीब 50.8 प्रतिशत। अमेरिका में नौकरी छूटने, और बढ़ती मुद्रास्फीति ने लोगों की चिंताओं को बढ़ावा दिया है। लोग, सोच-समझकर सामान खरीद रहे हैं। अच्छे दिन जाने, और बुरे दिन आने के भय से बचत कर रहे हैं। अभी भारत में वैसी स्थिति आये, उससे पहले प्रधानमंत्री मोदी, और उनके रणनीतिकारों को सतर्क हो जाना चाहिए। शी की यात्रा का मक़सद, उपभोक्तावाद को बचाये रखना है, जिस पर चीनी अर्थव्यवस्था टिकी हुई है।

(साभार : लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

जिला विकास एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

जनहित में कार्य करना हमारा कर्तव्य है : सांसद चौधरी

योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन किया जाना जरूरी

सांसद चौधरी ने नल जल योजनाओं के कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं का धरातल पर बेहतर क्रियान्वयन किया जाए। निर्माण कार्य समय सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो। यह निर्देश सांसद एवं अध्यक्ष जिला विकास एवं निगरानी समिति (दिशा) श्री दर्शन सिंह चौधरी ने गुरुवार को कलेक्टोरेट कार्यालय में आयोजित जिला विकास एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में अधिकारियों को दिए। सांसद नर्मदापुरम श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा है कि नर्मदापुरम जिले में हितग्राहियों को केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के समय पर मिले यह सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी पूरी गंभीरता और तन्मयता से जनहित में कार्य करें। उन्होनें कहा है कि प्रत्येक विभाग जनसामान्य के लिए किये जाने वाले कार्यों एवं योजनाओं के अंतर्गत किये पत्राचार से संबंधित विधायकगणों को भी सूचित किया जाना सुनिश्चित करें।

सांसद श्री चौधरी ने दिशा (जिला विकास एवं निगरानी समिति) की बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं जनता के हित के लिए बनी हैं इसलिए इनका ठोस क्रियान्वयन करना हम सभी का कर्तव्य है क्योंकि शासकीय अधिकारी/कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि एक दूसरे के पूरक हैं एवं हम सभी को अपने देश, प्रदेश, जिले तथा नगर के विकास के लिए सतत रूप से कार्य करना होगा।

बैठक में सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने जिले में स्वीकृत रेत खदानों की ठेका कंपनियों की समस्त जानकारी संबंधित तहसील एवं पंचायत कार्यालयों में चस्पा करवाने के निर्देश दिए। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने रेत कंपनियों द्वारा नियोजित कर्मचारियों की जानकारी पुलिस थानों में उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। श्री चौधरी ने कहा कि इन कर्मचारियों का क्रिमिनल रिकॉर्ड भी जांचा जाए और खनिज विभाग यह सुनिश्चित करे कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को चेक पोस्ट पर कार्य न करने दिया जाए।

कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा खनिज अधिकारी को निर्देश दिए गए की ठेका कंपनियों को आवंटित की गई स्वीकृत खदानों के अतिरिक्त अन्य खदानों से किसी भी प्रकार के उत्खनन पर रोक लगाई जाए। जिला खनिज अधिकारी इस संबंध में निरंतर रूप से कार्यवाही करें।

सांसद श्री चौधरी ने आवास योजना के तहत हितग्राहियों को रेत खनिज के लिए न्यूनतम रॉयल्टी पर रेत उपलब्ध करवाई जाने के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने अवैध उत्खनन की शिकायतों को दर्ज किए जाने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाने के निर्देश खनिज अधिकारी को दिए।

बैठक के दौरान सांसद श्री चौधरी ने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि जिले की नहरों में शीघ्र ही शेष पानी छोड़ा जाए साथ ही इसकी सतत रूप से पेट्रोलिंग भी की जाती रहे। जल संसाधन विभाग द्वारा घोषित कार्यक्रम निर्धारित कर जनप्रतिनिधियों के साथ नहरों का भ्रमण भी करें। उन्होंने जिले में अवैध शराब बिक्री पर शक्ति से प्रतिबंध लगाए जाने के भी निर्देश दिए।

पलकमती नदी में जल संचयन हेतु बोरी बंधान कार्य सम्पन्न

विधायक विजयपाल सहित जनप्रतिनिधियों व स्थानीय नागरिकों ने किया श्रमदान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोहागपुर में पलकमती नदी में जल संचयन एवं भू-जल स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से बोरी बंधान कार्य का आयोजन किया गया। इस सराहनीय पहल के तहत नदी में बोरियों के माध्यम से जल प्रवाह को नियंत्रित कर जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

इस कार्य में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, एसडीएम अनिल जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर नदी तट पर बोरियों की व्यवस्थित कतारें लगाईं, जिससे वर्षा जल का संचयन बेहतर ढंग से हो सकेगा तथा क्षेत्र का भू-जल स्तर बढ़ेगा। विधायक विजयपाल सिंह ने इस अवसर पर कहा कि जल संरक्षण एवं उनको सहेजना हमारा कर्तव्य है तथा ऐसे प्रयासों से ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षित कर सकते हैं। वहीं एसडीएम अनिल जैन ने भी नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण अभियान में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं की भी उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली।

फाटक क्र. 230 अनुरक्षण कार्य के चलते 20 तक बंद रहेगा

नर्मदापुरम। वरिष्ठ अनुभाग अभियंता, पश्चिम मध्य रेलवे, इटारसी डिपो के अधीन समपार फाटक क्रमांक 230 स्थित रेलवे कि.मी. 757/15-17 (नर्मदापुरम्-पवांरखेड़ा मार्ग) पर आवश्यक अनुरक्षण कार्य किया जा रहा है। इस कारण रेलवे विभाग द्वारा इस समपार फाटक पर 20 अप्रैल 2025 को सायं 18:00 बजे तक वाहनों की आवाजाही को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है।

गुना में हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा पर पथराव के विरोध में विहिप ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

गुना में हनुमान जन्मोत्सव पर पत्थरबाजी की घटना के विरोध स्वरूप विश्व हिन्दू परिषद ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा जिसमें बताया गया जिसमें कहा गया है कि विगत 12 अप्रैल को गुना के कर्नल गंज में स्थित मदीना मस्जिद से श्री हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा पर जिहादियों की भीड़ ने योजनापूर्वक हमला किया। इस लोमहर्षक घटना से सभ्य समाज हतप्रद है और इस घटना क़ी घोर निंदा करता है यह घटना भविष्य के खतरे की आहट है जिसे सामान्य कार्यवाही कर भुलाया नहीं जा सकती गुना क़ी कर्नलगंज, जीनघर, हड्डी मील केंट की मस्जिद जिहादीओं का अड्?डा बन रही है विश्व हिन्दू परिषद क़ी मांग है क़ी यह हमला सुनियोजित था हमले के दौरान आमजन द्वारा मोबाइल से बनाए गए वीडियो के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि मस्जिद में पहले से ही लोग जमा थे उन्होंने जुलूस आता देखकर नारेबाजी शुरू की और आक्रामक होकर जुलूस में श्री हनुमान जी का वेश धारण कर चल रहे युवक से मारपीट की और जुलूस पर हमला कर मस्जिद और आसपास के घरों से पथराव कर दिया जिससे भगदड़ मच गई और कई हिन्दू युवा घायल हुये इस घटना में प्रत्यक्ष रूप से शामिल आरोपियों के साथ साथ साजिश कर्ताओं को भी हिरासत में लेकर कठोर कार्यवाही की जाए व जिन जिहादियों के मकानों पत्थर व ईटें रखी हुई थी पुलिस के द्वारा जांच कराकर इनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाये इस घटना से हिन्दू जन मानस आक्रोषित है और जिहादियों के अवैध मकान, व्यवसाय, पर न्याय पूर्ण बुल्डोजर की कार्यवाही क़ी मांग करता है गुना के इस हमले के आरोपियों के पीएफआई कनेक्शन, सिमी के सम्बन्धों क़ी विस्तृत जांच हो यह कि इस मामले में लापरवाही बरतनें वाले जिन्होंने जुलूस की पूर्व सूचना होने के बाद भी समय पर उचित प्रबंध नहीं किया उन पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के विरुद्ध भी उचित कार्यवाही की जाये हिन्दू समाज पर जो वर्ग विशेष को खुश करने के लिए शड़यंत्र पूर्वक झूठी एफआईआर क़ी गई है न्याय संगत जांच क़ी जाये हिन्दू जन मानस क़ी भावनाओं का ध्यान रखते हुये ज्ञापन पर गंभीरता पूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को प्रदान करें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

घर की खिड़की से फांसी का फंदा बनाकर घुटनों के बल झूल गया युवक, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

तेंदूखेड़ा/दमोह, दोपहर मेट्रो

बुधवार शाम ग्राम महगुवाकला में एक युवक का शव उसके घर की लोहे की खिडकी से घुटने के बल पर फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिलने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई क्योंकि जिस तरह से युवक का शव फंदे पर लटका हुआ मिला है उसे देखकर परिजनो ने हत्या कर शव लटकाने का अंदेशा जताया साथ ही मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे से शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से मना कर दिया। जिस कारण तारादेही एवं तेंदूखेड़ा थाने का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। पुलिस ने जब गुरूवार की दोपहर को दमोह से डॉग स्क्वायड की टीम बुलाकर सम्पूर्ण घटना स्थल की जॉच कराई गई इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

महगुवाकला ग्राम में बुधवार की शाम 7 बजे अमित पिता सटटी अहिरवार उम्र 20 वर्ष का शव घर के अंदर खिडकी में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला है गुरूवार की सुबह मौके पर पहुंची पुलिस जब शव को फंदे से उतारने का प्रयास किया तो परिजनो ने शव को उतारने से पुलिस को मना कर दिया साथ ही दमोह से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और डॉग स्क्वायड टीम को बुलाने की मांग पर अड़ गए जिसके बाद दोपहर तीन बजे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जिले से डॉग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची और डॉग को घटनास्थल से पूरे गांव में घूमाया गया और डॉग पूरे गांव में घूमने के बाद मौके पर पहुंचा जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को शव उतराने व पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अमित अहिरवार के अज्ञात कारणों के चलते घर पर ही दीवार के बीच मैं लगे लोहे की खिड़की से फांसी से लटका हुआ था लेकिन खिड़की की उचाई कम होने के चलते युवक का आधा धड़ जमीन पर टिका हुआ था। जिस कारण हत्या करने का अंदेशा जताया जा रहा था।

परिजनों का आरोप था कि फांसी लगाने वाले व्यक्ति का शरीर जमीन से टिका नहीं रहता है या फिर आधे पैर ही जमीन से टिके रहते हैं लेकिन अमित का आधा धड़ ही जमीन से टिका हुआ था। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है। परिजनों ने बताया कि घर पर कोई नहीं था और युवक कुछ दिनों से टेंशन में चल रहा था। क्योंकि पूर्व में मृतक अमित के पिता की जनवरी माह में मौत हो चुकी है। मृतक के पिता का भी शव गांव के बाहर तलैया के पास मिला था जिसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे। क्योंकि पिता सटटी भी जंगल में बकरियों को चराने के लिए गया था लेकिन देर-रात तक घर नहीं लौटा और सुबह गांव के पास ही तलैया में सटटी अहिरवार का शव मिला था और परिजनों द्वारा हत्या करने के आरोप लगाए थे। अमित के दादा बुद्धू अहिरवार ने बताया कि मेरे बेटे सटटी की मौत के बाद से ही नाती टेंशन में चल रहा था उसे भी हत्या किए जाने की आशंका थी क्योंकि उसके पिता की भी पूर्व में हत्या हुई थी लेकिन पुलिस द्वारा कोई जांच और कार्रवाई नहीं की गई

संयुक्त मोर्चा ने नवागत कलेक्टर अंशुल गुप्ता को शाल श्रीफल भेंट कर किया स्वागत

गंज बासौदा। अधिकारी कर्मचारी सयुक्त मोर्चा ने नवागत कलेक्टर अंशुल गुप्ता से मुलाकात कर शाल श्रीफल फूल मालाओ से उनका स्वागत किया

उपयुक्त जानकारी देते हुए सयुक्त मोर्चा के जिला संयोजक प्रथ्वी सिंह रघुवंशी ने बताया की सभी ने कलेक्टर से कर्मचारियो के हितो का ध्यान रखने का अनुरोध किया कलेक्टर ने सयुक्त मोर्चा के सभी पदाधिकारियो से अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करने को कहा जिससे हमारा जिला अग्रहणी भूमिका मे रहे सयुक्त मोर्चा मे शामिल मध्यप्रदेश शासकीय शिक्षक संगठन,अपाक्स ,मप्र.शिक्षक संघ ,मप्र.शिक्षक काग्रेस, लघु बेतन कर्मचारी,सर्व समाज संगठन आदि संगठनो के पदाधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे

शादियों की लग्न से बाजार में बड़ी रौनक

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

शादियों का सीजन शुरू होते ही बाजार में रौनक बढ़ गई जिससे व्यापारियों में खुशी का माहौल है बाजार में सबसे अधिक भीड़ कपड़ा दुकानों पर देखी जा रही है वहीं दुकानदारों का कहना है कि शादियों का सीजन शुरू होने से बाजार में इस बार अच्छे व्यापार की उम्मीद की जा रही है इसके साथ ही सराफा बाजार इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अन्य दुकानों पर शादी वाले घर के लोग ओर रिश्तेदार खूब खरीदी कर रहे है जिससे बाजार में खूब रौनक बनी हुई है और आगे भी बाजार में भीड़ बढ़ने की उम्मीद है।

मेट्रो एंकर आबकारी विभाग के पास भी जानकारी नहीं है कि आखिर कहां से आ रही मदिरा

अवैध शराब बिक्री के सारे रिकॉर्ड तोड़ रहा है एक ढाबा!

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

एक अनुमान के मुताबिक जिले में जितनी मदिरा शासकीय लाइसेंस की दुकानों से नहीं बिक रही होगी उससे कहीं ज्यादा अवैध मात्रा में बिक्री हो रही है. नगर शहरों के अलावा गांव-गांव में अबैध शराब ने दस्तक दे रखी है. यह शराब कहां से आ रही है. यह बताने को आबकारी विभाग भी तैयार नहीं है. या फिर विभाग जानबूझकर बताना नहीं चाह रहा है.

क्योंकि इस अवैध शराब की बिक्री से विभागीय अधिकारियों को भी कुछ सरोकार हो सकता है. कई गांव में तो राजमार्ग की सड़क के किनारे धड़ल्ले से अबैध शराब बेची जा रही है.

जिला मुख्यालय से 9 किलोमीटर दूर हरदा रोड पर स्थित ग्राम रोहना में एक ढाबे पर मदिरा प्रेमियों की जितनी भीड़ दिखाई देती है इतनी भीड़ तो शहर के किसी मयखाने में भी दिखाई नहीं देती होगी. कहने को यह ढाबा भोजनालय के रूप में स्थापित है लेकिन यहां खाना तो नाम मात्र का परंतु पीना बे-हिसाब होता है। इस ढाबे पर मदिरा की सप्लाई कौन कर रहा है. अवैध रूप से मदिरा यहां कैसे पहुंच रही है. इन सब बातों की जानकारी के लिए शासन ने आबकारी विभाग स्थापित किया हुआ है. जिसका काम ही इस प्रकार की अवैध शराब के प्रति धर पकड़ की कार्रवाई करना है. लेकिन विभाग भी खामोशी के साथ यह सब होता देख रहा है.

राजमार्ग 15 पर स्थापित इस ढाबे पर सुबह से लेकर देर रात तक मदिरा प्रेमियों का जमावड़ा दिखाई देता है.

अबैध शराब की सप्लाई को लेकर जन चर्चा है कि इस ढाबे पर किसी शराब ठेकेदार द्वारा शराब पहुंचाई जाती है और ढाबा संचालक द्वारा कमीशन के आधार पर इसकी बिक्री की जाती है. कुछ लोगों का तो यहां तक कहना है कि संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी ही यहां पर अप्रत्याशित रूप से मदिरा भेजने का काम कर रहे हैं. हालांकि इस बात की अभी तक कोई पुष्टि नहीं हो पाई है।

ग्राम रोहना के इस ढाबे पर नियमित रूप से मदिरा का सेवन करने आने वाले कुछ मदिरा प्रेमियों ने बताया कि हमें यहां पर शराब ठेके से थोड़ी सस्ती शराब मिल जाती है।

सूत्रों की माने तो राजमार्ग पर स्थित इस ढाबे पर प्रतिदिन हजारों रुपए की शराब अवैध रूप से बेची जा रही है. यह ढाबा नर्मदापुरम देहात थाने की सीमा के अंतर्गत आता है. इससे मात्र 100 मीटर की दूरी से डोलरिया थाना क्षेत्र की सीमा प्रारंभ हो जाती है.

कुल मिलाकर यह अवैध शराब का कारोबार नर्मदापुरम एवं डोलरिया थाना क्षेत्र की सीमा के बीच में स्थापित होने से दोनों थाने की पुलिस भी इस पर विशेष ध्यान नहीं दे पा रही।

गांव वाले भीविरोध कर रहे !

रोहना ग्राम में स्थापित इस अवैध शराब के कारोबार से गांव के निवासी भी खुश नहीं है. गांव वाले खुलकर तो नहीं लेकिन दबी जुबान से इसका विरोध अवश्य कर रहे हैं।गांव के एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इससे पहले इस गांव में कभी भी शराब की बिक्री नहीं होती थी।

लटेरी में खंड स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर गांव का हर युवा स्वरोजगारमुखी बने : शर्मा

आम आदमी समस्याओं को लेकर भटकें ना गांव में ही समाधान हो यह शिविर चरितार्थ करता है : कलेक्टर गुप्ता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा लटेरी की सब्जी मंडी में आज खंड स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें ग्रामीण जनों की मूलभूत समस्याओं का निदान हुआ और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी विभागों के स्टालों के माध्यम से दी गई है।

सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा ने आदर्श विधानसभा क्षेत्र के लिए की जा रही पहलों को रेखांकित करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लटेरी के विकास कार्य पर प्रकाश डालते हुए सभी को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा कर हर गांव का हर युवा स्व-रोजगारमुखी बने।

विधायक श्री शर्मा ने कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए जिससे मानव कल्याण चरितार्थता हो उन्हें ग्रामीणों से कहा कि अपने बच्चों को स्कूल जरुर भेजे शासन के इस महत्वपूर्ण अभियान की सफलता हम सब के हाथों में है। शिक्षा सुगमता से बच्चों को मिले इसके लिए स्कूलों का जाल बिछाया गया है।

विधायक श्री शर्मा ने कहा कि लटेरी क्षेत्र में कृषि के साथ साथ दुग्ध उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं शासन की योजनाओं का लाभ लेकर दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय से जुड़कर अन्य को रोजगार देने में सक्षम बने। उन्होंने गौपालन की योजनाओं व उन पर मिलने वाले अनुदान को भी रेखांकित किया है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने इस प्रकार के आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शासन प्रशासन की यही मंशा है कि गांव का आदमी अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समास्याओं के समाधान हेतु भटके नहीं उनकी समस्याओं का समाधान गांव में ही हो को यह शिविर चरितार्थ करता है। उन्होंने ग्रामीणों से अहवान किया की अपनी वास्तविक समस्याओं को इस स्थल पर जरूर बताएं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को सुगमता से प्राप्त कर सकें और अपने हुनरमंद को योजना के तहत रोजगार से जुड़ कर आर्थिक रूप से सबल हो सकें। इसके लिए उन सभी विभागों के अधिकारियों को विशेष पहल करनी होगी जिससें जिले की ख्याति में वृद्धि हो।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने आयुष्मान कार्ड का जिक्र करते हुए कहा कि 70 वर्ष के सभी नागरिकों के कार्ड बनाए जा रहे। इलाज के दौरान आर्थिक मदद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे स्कूल जाएं, समय पर तमाम कार्य हो सके इसके लिए शासकीय अमले की महती भूमिका है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में भौतिक मूलभूत सुविधाओं से ग्रामीण वंचित ना हो इसके लिए तय सीमा में निर्माण कार्य पूरे हो।

मौके पर आवेदकों ने संवाद के दौरान समस्याओं से अवगत कराया और दिए गए आवेदनों पर विभागों के अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई का वाचन किया गया। शिविर में लटेरी नगर परिषद की अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया के अलावा अन्य भाजपा के वरिष्ठ नेता रणधीर सिंह बघेल भैरों सिंह जादौन लक्ष्मण सिंह बघेल भारत सिंह राजपूत नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शैलेश भंडारी उपाध्यक्ष शिवचरण प्रजापत जनपद अध्यक्ष श्रीमती सीमा कलावत विधायक प्रतिनिधि अतु भंडारी पूर्व मंडल अध्यक्ष राजकुंवर बघेल महेंद्र सिंह राजपूत एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों एवं ग्रामीणों जन गणमान्य नागरिक मीडियाककर्मी मौजूद रहे।

स्थानीय एसडीएम विनीत तिवारी ने बताया कि मंडी प्रागंण में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में कुल 134 आवेदन प्राप्त हुए है जिनमें वन विभाग से संबंधित छह, राजस्व के 21, जनपद पंचायत के 30, पीएचई के 12, विद्युत विभाग के 13, महिला एवं बाल विकास विभाग के चार, खाद्य विभाग के छह, नगर परिषद के चार, शिक्षा के चार, पुलिस विभाग के चार, पशपालन विभाग के सात, सहकारिता के छह और विधायक निधि से संबंधित 13 आवेदन शामिल है।

मंगल वेयरहाउस में अब नहीं होगी खरीदी, अनियमितता के चलते किया बंद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बासौदा रोड अहीर खेड़ी पर संचालित हो रहे मंगल वेयरहाउस में नियमों को दरकिनार करके सरकारी खरीदी की जा रही थी इसका मामला हमारे संवादाता ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था यहां पर धर्म कांटे पर तोल करके बिना जांच के गुणवत्ता विहीन फसल खरीद किया इसके बाद एडीएम ने जांच के निर्देश एसडीएम को दिए थे उनकी जांच में अनियमितता मिली थी। इसके बाद अपर कलेक्टर अनिल डामोर ने जांच के बाद तत्काल प्रभाव से मंगल वेयरहाउस पर सरकारी खरीदी बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। अब यह पर खरीदी नहीं होगी क्योंकि उक्त वेयरहाउस के संचालक के द्वारा हेकड़ी दिखाकर इस काम को गलत तरीके से किया जा रहा था। जिसके चलते इनको मनमर्जी भारी पड़ गई प्रशासन ने वेयरहाउस पर तत्काल प्रभाव से खरीदी के लिए रोक लगा दी। हाजीपुर समिति के द्वारा मंगल वेयरहाउस पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी करवाई जाए तो यहां पर अनियमित के साथ गुणवत्ता विहीन उपज को सीधे धर्म कांटे से से तोल करवा कर घटिया क्वालिटी की फसल भी खरीदने का काम किया जा रहा था। एसडीएम हर्षल चैधरी की जांच में इसकी लापरवाही उजागर हो गई थी। इसके बाद कार्रवाई के लिए कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा था जहां से अपर कलेक्टर अनिल डामोर ने जांच के बाद मंगल वेयरहाउस तत्काल प्रभाव से खरीदी के लिए बेदखल कर दिया और साथ ही समिति को निर्देश दिया कि यहां पर कोई खरीदी ना की जाए किसानों को दूसरे केंद्र की वेयरहाउसपर पर स्लॉट बुक करने के लिए बताया जाए।

बुजुर्ग ने खाली दुकान में फांसी लगाकर की आत्महत्या

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अज्ञात कारणों से वार्ड नंबर 17 में रहने वाले बुजुर्ग मुन्ना लाल प्रजापति ने खाली दुकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस ने मार्ग का मामल दर्ज करके मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी है। सूचना के वाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची पंचनामा बनाकर सब को नीचे उतारा पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम मुन्ना लाल प्रजापति उम्र 62 साल निवासी वार्ड नंबर 17 के रूप में हुई बुधवार की रात्रि में फांसी लगाई। गुरुवार को शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय में पीएम करवाया गया। इसके बाद लाश को परिजनों को सौंप दी है करणों का अभी पता नहीं चला है। किस कारण से बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पीएम रिपोर्ट तथा जांच के बाद ही इसका इसका खुलासा हो पाएगा।

थाना मुरवास पुलिस ने गौवंश मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

फरियादी दिनेश पिता रामस्वरूप मेहता उम्र 60 साल निवासी ग्राम छिरारी थाना मुरवास द्वारा दिनांक 18.03.2025 को थाना उपस्थित आकर गौ बंश प्रतिषेध अधिनियम संबंधी रिपोर्ट दर्ज करायी गई थी जिस पर से थाना मुरवास में अपराध क्रमांक 38/25 धारा 325 ठछै 11 पशु क्रूरता अधिनियम, 4/9,6/9 गौ बंश प्रतिषेध अधिनियम का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था उक्त अपराध की गंभीरता को देखते हुए रोहित काशवानी पुलिस अधीक्षक विदिशा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चैबे के मार्गदर्शन में एवं अजय मिश्रा एसडीओ(पी) लटेरी के नेतृत्व में थाना प्रभारी मुरवास राजेश मिश्रा द्वारा गठित टीम को अंतिम शेष 2 आरोपी फईम खान व फिरोज उर्फ शेट्टा उर्फ माजिद खान निवासी गण ग्राम करमेडी थाना शमशाबाद को गिरफ्तार किया गया । मामले की गंभीरता को देखते हुए गठित टीम को अपराध क्रमांक 38/25 के अंतिम शेष आरोपियों को गिरफ्तार किया गया , टीम की तत्परता से उक्त अपराध के आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय सिरोंज में पेश किया गया ।

इनकी रही भूमिका उनि राजेश मिश्रा, सउनि संतोष गौड़ , आर.941 प्रिंस देवलिया एवं चैकी प्रभारी सउनि हरीश कौरव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवध नारायण श्रीवास्तव को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

सिरोंज। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की बैठक प्रदेश कार्यालय भोपाल में संपन्न हुई जिसमें महासभा की साधारण बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कार्यकारी अध्यक्ष विश्वास कैलाश सारंग की अनुशंसा पर कायस्थ महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर अवध नारायण श्रीवास्तव को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है समाजसेवी एवं अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष अवध नारायण श्रीवास्तव एडवोकेट को कायस्थ महासभा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर श्री अवध नारायण श्रीवास्तव ने कार्यकारी अध्यक्ष श्री विश्वास कैलाश सारंग का एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील श्रीवास्तव का आभार व्यक्त किया है।

कोडल ग्राम की केकरा नदी में मिली युवक की लाश, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

तेंदूखेड़ा/दमोह, दोपहर मेट्रो

गुरुवार सुबह तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम कोड़ल गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक की लाश केकरा नदी में मंदिर के पास मृतक का पिता जब अपनी भैंसों को पानी पिलाने के लिए गया था उसी दौरान मिली है। घटना की सूचना परिजनों ने तेन्दूखेड़ा पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार हरिशंकर पिता भुजवल यादव यादव उम्र 32 वर्ष निवासी कोडल है जो कि सोमवार को घर से सुबह रहली के लिए निकला था लेकिन वापस लौटकर घर नहीं आया था। लेकिन गुरुवार की सुबह जब हरिशंकर के पिता भुजवल यादव अपनी भैंसों को लेकर पानी पिलाने के लिए नदी किनारे पहुंचे तो उन्होंने झाड़ियों के पास बाइक और कुछ दूर जूते नजर आए तो उन्होंने बाइक की पहचान करते हुए उन्होंने देखा तो मंदिर के पास नदी में अपने पुत्र का शव नजर आया। खबर फैलते ही लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य लाया गया जहां पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

वहीं हरिशंकर के पिता भुजवल यादव व अन्य परिजनों ने हत्या कर शव को नदीं में फेंकने के आरोप भी लगाए हैं उन्होंने बताया कि हरिशंकर सोमवार को सुबह से रहली के लिए निकला था क्योंकि उसकी पत्नी से विवाद चल रहा था जिसके कारण थाने में मामला दर्ज था और मामला कोर्ट में पहुंचा गया था। लेकिन पेषी करने के बाद वह वापस नहीं लौटा ना ही उसका फोन आया मृतक के पिता ने बताया कि हरिशंकर के सुसराल वाले आए दिन परेशान कर रहे थे और जान से मारने की धमकी देते रहते थे। उन्होंने ही इसकी हत्या कर शव नदी में फेंक कर चले गए क्योंकि नदी में दो दिन तक कोई भी लाश नहीं थी और आज लाश मिलना बड़ी बात है क्योंकि इस नदी किनारे हर दिन दर्जनों लोग अपने मवेशियों को पानी पिलाने और खुद लोग नहाने के लिए आते हैं लेकिन तीन दिन तक यहां पर कोई भी बाइक ओर नदी में लाश नहीं थी लेकिन आज सुबह लाश मिलना बड़ा सवाल है हरिशंकर के पिता ने कहा कि मुझे आशंका है कि मेरे बेटे की हत्या की आशंका हैं क्योंकि लोगों को हत्या ना लगे युवक द्वारा खुद सुसाइड किया जाना प्रतीत हो

उपनिरीक्षक रंजीत कुमार अहिरवार ने बताया कि सुबह सूचना मिली पर मौके पर पहुंचकर शव को नदी से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम कराया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा कि युवक की हत्या कर शव नदी में फेंका गया है या फिर पानी में डूबने से मौत हुई है पुलिस मामले की जांच कर रही है जांच में जो भी तथ्य पाएं जाते हैं उसके आगे कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर ग्रामीणों ने पेड़ की झाड़ियों की मदद से किया काबू लेकिन उससे पहले जल गई खेत में लगी फसल , ब्लॉक के मोहड़ ग्राम का मामला

अज्ञात कारणों से दो किसानों की खड़ी फसल आग में जलकर खाक

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा थाने अतर्गत ग्राम मोहड़ में बुधवार को दो किसानों के खेतों में अचानक आग लग गई आग कैसे लगी इसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है मगर दोनों जगह लगी आग में किसानों की जरूर नुकसान हुआ है क्योंकि आग लगने से उनके खेत में लगी फसल जलकर राख हो गई आग बुधवार को दोपहर के समय लगी जिसमें किसान अनिता पति भुजन लोधी की ढेर एकड़ गेहूं की फसल पूरी तरह जल गई।

दूसरी घटना ग्राम मोहड़ में ही हुई प्रहलाद पिता बहादुर लोधी के खेत में आग लग गई और खेत में लगी फसल जल गई आग देख ग्राम के लोग दौड़े और पानी ओर झाड़ियों के सहारे आग पर काबू किया अनिता लोधी ने बताया आग कैसे लगी पता नहीं किंतु ढेर एकड़ खेती भी उनके पास थी और खेती से ही परिवार का भ्रमण पोषण होता था आग लगने के बाद लगी फसल जल गई प्रहलाद लोधी ने बताया कि आग लगने से उनके एक एकड़ खेत में लगी फसल भी जल गई जनपद सदस्य सोनी यादव ने बताया दोनों किसानों के खेत आजू बाजू है आग कैसे लगी ये तो पता नहीं चला है मगर फसल दोनों किसानों की जल गई ग्राम के लोग दौड़े पर आग पर काबू किया।

मार्ग है खराब

ग्राम मोहड़ जंगली क्षेत्र के बीचों बीच बसा ग्राम है इस ग्राम तक पहुंचने के लिए काफी परेशानियों का ग्राम के लोगों को सामना करना पड़ता है क्योंकि मोहड़ ग्राम जाने के लिए सीधा मार्ग झलोन मार्ग से लमटी की टेक के ऊपर से जाना पड़ता है मगर यह जंगली क्षेत्र है और ग्राम पहुंचने के लिए सात किलोमीटर दूरी तय करनी पड़ी है इसलिए घटनाओं और आकस्मिक सुविधाओं का ग्राम के लोगों को तत्काल लाभ नहीं मिल पाया कुछ दिन पूर्व भी गेहूं की लाक से भरी ट्राली में आग लग गई थी ग्राम के लोगों ने घरों के पानी की मदद से आग पर काबू पाया था इसी तरह बुधवार को भी दो किसानों के खेतों में आग लगी गई किसानों ने पहुंचकर घरों के पानी और पेड़ों की झाड़ियों की मदद से आग पर काबू किया ।

जनपद सदस्य ने बताया फायर बिग्रेड वाहन ग्राम तक पहुंच नहीं पाता इसलिए सूचना नहीं दी कई वर्षों से सड़क निर्माण की हमलोगो माग कर रहे है किंतु आज तक हमारी मांग पूरी नहीं हुई ।

दोनों टीमों ने इस सीजन जीते 4-4 मैच, बैटिंग पिच पर कोहली-अय्यर की होगी भिड़ंत

आज चिन्नास्वामी में आरसीबी और पंजाब के बीच रोमांचक मुकाबला

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना पंजाब किंग्स से होगा। मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमों का इस सीजन में यह पहला मैच होगा। वहीं दोनों टीमें बेंगलुरु के मैदान पर पिछले साल आमने-सामने हुई थीं। उस मैच में आरसीबी को 4 विकेट से जीत मिली थी। वहीं, पंजाब को यहां 8 से जीत नहीं मिली है। टीम को आखिरी जीत 2017 में मिली थी। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने 4 मैच जीते हैं और उसे 2 में हार मिली है। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पंजाब को भी 4 में जीत और 2 में हार मिली है।

हेड टु हेड में एक मैच का अंतर

आरसीबी और पंजाब के बीच आईपीएल इतिहास में अब तक 33 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें ऋष्ष्कको 16 और पंजाब को 17 मैचों में जीत मिली है। बेंगलुरु के होम ग्राउंड एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच अब तक 13 मैच खेले गए है। 8 में बेंगलुरु और 5 में पंजाब को जीत मिली।

विराट ने सबसे ज्यादा रन बनाए

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज विराट कोहली टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 6 मैचों में कुल 248 रन बनाए हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ 67 रन की पारी खेली थी। उससे पहले उन्होंने कोलकाता के खिलाफ नाबाद 59 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले मैच मेंल राजस्थान के खिलाफ नाबाद 62 रन की पारी खेली थी। विकेट टेकर्स में टीम के जोश हेजलवुड टॉप पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में कुल 9 विकेट हासिल किए हैं।

कप्तान श्रेयस टॉप स्कोरर

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 6 मैचों में कुल 250 रन बनाए हैं। सीजन के पहले मैच में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 42 गेंदों में नाबाद 97 रनों की पारी खेली थी। वहीं, गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी है। उन्होंने 6 मैचों में 8 विकेट लिए है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच बैटिंग-फ्रेंडली है। यहां पर बल्लेबाज जमकर रन बनाते हैं। वहीं स्पिनर्स को इस पिच पर थोड़ी मदद मिलती है। इस स्टेडियम में अब तक आईपीएल के 97 मैच खेले गए। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 41 और चेज करने वाली टीम ने 52 मैच जीते। जबकि चार मैचों के रिजल्ट नहीं निकल सके। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम चेज करना पसंद करेगी। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 287/3 है, जो सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बनाया था।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-12

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वाधेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंग्लिस, जैवियर बार्टलेट, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बरार।

आरसीबी – रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटीकीपर), क्रुणाल पंड्या, टिम डेविड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा।

मुंबई को बेहतरीन गेंदबाजी ने दिलाई जीत

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के 18वें सीजन में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली है। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 4 विकेट से हरा दिया। विल जैक्स ने 36 रन बनाए, उन्होंने बॉलिंग करते हुए 2 विकेट भी लिए। स्ङ्घ ने इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने बॉलिंग चुनी। बेहतरीन बॉलिंग के सामने हैदराबाद ने 5 विकेट खोकर 162 रन बनाए। मुंबई ने 18.1 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने 26, रायन रिकेलटन ने 31 और सूर्यकुमार यादव ने 26 रन बनाए। हैदराबाद से कप्तान पैट कमिंस ने 3 विकेट लिए। मिडिल ओवर्स में बॉलिंग करने आए विल जैक्स ने 3 ओवर में महज 14 रन दिए। उन्होंने ट्रैविस हेड और ईशान किशन को पवेलियन भी भेजा। जैक्स ने फिर बैटिंग से कमाल दिखाया, वे नंबर-3 पर उतरे और सूर्यकुमार यादव के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। जैक्स ने 36 रन बनाए। 163 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी एमआई को रोहित ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 3 छक्के लगाए, तेजी से 26 रन बनाए और हैदराबाद को बैकफुट पर धकेला। नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे सूर्या ने भी तेजी से बैटिंग की। उन्होंने 2 चौके और 2 छक्के लगाकर 15 गेंद पर ही 26 रन बना लिए। उन्होंने जैक्स के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप भी की। पावरप्ले के दूसरे स्पेल में बॉलिंग करने आए बुमराह ने 4 ओवर में महज 21 रन दिए।

गोल्ड की कीमत पहली बार 95 हजार पर पहुंची, जियो को 316 करोड़ का मुनाफा

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

सोने के दाम ने नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम ?331 बढ़कर 94,910 पर बंद हुआ। हालांकि सोना आज 95,207 पर ओपन हुआ था। इससे पहले बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 94,579 थी। वहीं, इनफिन्क्स नोट स्मार्टफोन लॉन्च होगा। सोने के दाम ने नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 331 बढ़कर 95,207 पर पहुंच गया। वहीं, चांदी की कीमत में गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत 1,424 गिरकर 95,151 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,575 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज की नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 316 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 1.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 310 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। नतीजों के साथ जियो फाइनेंशियल ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए प्रति शेयर 0.50 रुपए का फाइनल लाभांश (डिविडेंट) का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे लाभांश या डिविडेंड कहते हैं।

अडाणी पोर्ट्स ने एक और बंदरगाह खरीदा, डील हुई

नईदिल्ली, एजेंसी। गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पोर्ट्स ने एक और पोर्ट (बंदरगाह) खरीद लिया है। एक्सचेंज पर जारी जानकारी में कंपनी ने बताया कि गोपालपुर पोर्ट्स में 95 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। ये डील 3080 करोड़ रुपए में हुई है। ये अडाणी पोर्ट्स का 14वां पोर्ट होगा। अडाणी पोर्ट्स ने शापूर्जी पलोनजी पोर्ट मेंटेनेंस प्राइवेट लिमिटेड से 56 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। शापूर्जी पलोनजी पोर्ट मेंटेनेंस प्राइवेट लिमिटेड, शापूर्जी पलोनजी ग्रुप का हिस्सा है। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स ने उड़ीसा स्टीवडोर्स लिमिटेड से 39 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। इस पोर्ट्स पर कई तरह के ड्राई बल्क और ब्रेक बल्क कार्गो को हैंडल किया जाता है। यह एक डीप ड्राफ्ट, मल्टी-कार्गो पोर्ट है। यह लोहा, कोयला, चूना पत्थर, इल्मेनाइट रेत और एल्यूमिना सहित सूखे थोक कार्गो के विविध मिश्रण को संभालता है। अडाणी पोर्ट भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर और एंड-टु-एंड लॉजिस्टिक्स प्रोवाइडर है। दो दशकों से भी कम समय में, इसने पूरे भारत में बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे, सेवाओं के 1 पोर्टफोलियो का निर्माण, अधिग्रहण और विकास किया है।

भारत-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने पैट्रिक व सैम को दी शिकस्त

मियामी ओपनः बोपन्ना और एबडेन ने सेमीफाइनल में पहुंचे

मियामी, एजेंसी

44 वर्षीय बोपन्ना और एबडेन इस साल तीसरी बार किसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे है। अब उनकी भिड़ंत मार्सेल ग्रेनोलर्स और होरासियो जेबालोस या लॉयड ग्लासपूल और जीन-जूलियन रोजर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी। इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन का पुरुष युगल खिताब जीतने वाले भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। पुरुष एकल के क्वार्टरफाइनल में दुनिया की नंबर दो जोड़ी ने नीदरलैंड्स के जॉन पैट्रिक स्मिथ और ऑस्ट्रेलिया के सैम वर्बीक की जोड़ी को बेहद कड़े मुकाबले में 3-6, 7-6, 10-7 से शिकस्त दी। बोपन्ना और एबडेन की नजरें अब पहली बार मियामी ओपन का पुरुष युगल खिताब जीतने पर है।

फेबियन ने नौवीं वरीय मिनुएल को किया बाहर

ऑस्ट्रेलिया के नौवीं वरीय एलेक्स मिनुएल को अंतिम-16 में उलटफेर का शिकार होना पड़ा। उन्हें हंगरी के गैरवरीय फेबियन मारोज्सन ने 6-4, 0-6, 6-1 से शिकस्त दी और पहली बार इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं, जर्मनी के चौथी वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 15वीं वरीय रूसी खिलाड़ी कारेन खाचानोव को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

एकाटेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने स्वीयाटेक को हराया

क्वार्टर फाइनल में जेसिका पेगुला से होगा मुकाबला

मियामी, एजेंसी

एकाटेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने मियामी ओपन राउंड ऑफ 16 में वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वीयाटेक को 6-4, 6-2 से हराकर सनशाइन डबल जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनने की उम्मीदों को करारा झटका दिया। एकाटेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने मियामी ओपन राउंड ऑफ 16 में वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वीयाटेक को 6-4, 6-2 से हराकर सनशाइन डबल जीतने वाली दूसरी खिला?ी बनने की उम्मीदों को करारा झटका दिया. यह जीत अलेक्जेंड्रोवा की मौजूदा विश्व नंबर 1 पर करियर की पहली जीत है. साथ ही उन्हें इस जीत ने तीसरे डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचा दिया। स्वियातेक और कोको गॉफ मियामी ओपन से बाहर, अलेक्जेंड्रोवा और कैरोलिन गार्सिया ने हराया पिछले साल मियामी में क्वार्टर फाइनलिस्ट अलेक्जेंड्रोवा का बुधवार को नंबर 5 जेसिका पेगुला से मुकाबला होगा.स्वीयाटेक ने 24 घंटे पहले 26वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा को हराने के लिए एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन सोमवार को उन्हें बढ़त हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।स्वीयाटेक की मैच में तीन बार सर्विस टूटी.इस बीच, नंबर 23 सीड फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया ने नंबर 3 सीड और स्थानीय उम्मीद कोको गॉफ को 6-3, 1-6, 6-2 से हराकर अपने करियर में पहली बार मियामी ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आमिर से शादी के बाद ट्रोल्र्स कहते थे किस चश्मिश औरत को हमसफर बनाया है...

अब हाल ही में, एक इंटरव्यू में किरण ने महिला निर्देशकों द्वारा अपनी फिल्मों को रिलीज करने में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला और इंडस्ट्री में पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मिलने वाले सम्मान पर बात की है। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने किरण राव के साथ दूसरी शादी की थी, दोनों का एक बेटा आजाद है। हालांकि, वर्ष 2021 में आमिर और किरण की राहें जुदा हो गईं। दोनों ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया। तलाक के बाद अब दोनों अच्छे दोस्त हैं। अब किरण ने खुलासा किया है कि आमिर से शादी करने के बाद उन्हें ट्रोल्स का सामना करना पड़ा था, जो उनके लुक का मजाक बना रहे थे। अब हाल ही में, किरण ने महिला निर्देशकों द्वारा फिल्मों को रिलीज करने में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला और इंडस्ट्री में पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मिलने वाले सम्मान पर बात की है। इसके अलावा किरण ने उस वक्त को भी याद किया, जब उनकी शादी आमिर खान के साथ हुई थी और शादी के बाद उन्हें कई तरह की आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था।

अब किरण को ट्रोल्स से नहीं पड़ता फर्क

किरण ने कहा कि आमिर से शादी करने के बाद उन्हें ट्रोल किया जाता था और कहा जाता था, आमिर खान ने किस चश्मिश औरत से शादी कर ली है। उस समय इतने कमेंट सुनने के बाद भी किरण ने हमेशा अपनी स्वतंत्रता को महत्व दिया और अपने काम को आगे रखा है। अब वह एक ऐसे बिंदु पर पहुंच गई हैं, जहां अब उनके लिए दूसरों की राय की कोई अहमियत नहीं है। किरण का मानना है कि व्यक्ति को अपनी आजादी से लगाव होना चाहिए क्योंकि यही वह चीज है, जो उसे आगे बढ़ने में मदद करती है।

आमिर ने खुद को बताया था खुशकिस्मत

बता दें कि एक इंटरव्यू में आमिर खान ने आगे कहा था कि वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं कि किरण राव उनकी जिंदगी में आईं और उनका जीवन सफर काफी शानदार रहा। वहीं, किरण ने कहा था कि उन्हें एक-दूसरे के साथ काम करने में मजा आता है।

इरफान खान को याद करके इमोशनल हुए विपिन, बोले- आज भी मुझे सपनों में आता है

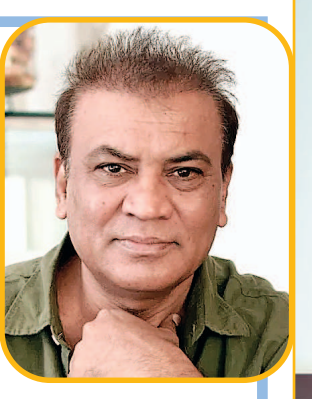

लीजेंड्री एक्टर इरफान खान को इस दुनिया से गए पांच साल हो गए हैं, लेकिन आज भी उनके दोस्त और परिवार उन्हें याद करते हैं। एक इंटरव्यू में विपिन शर्मा ने इरफान के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि दोनों साथ में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में थे। उस वक्त उनकी मुलाकात नहीं हुई थी, लेकिन जब वे फिल्मों में आए तो उनकी दोस्ती हमेशा के लिए पक्की हो गई। विपिन शर्मा ने कहा, इरफान के बारे में बिना रोए बात हो ही नहीं सकती। मैं सोचा था कि मैं नहीं इमोशनल होऊंगा। लेकिन मुझे उनकी बहुत याद आती है। ऐसा लगता कि उनका अभी कॉल आएगा और कहेंगे कि आपने ये अच्छा किया। मुझे लगता है कि जब भी मैं कुछ करता हूं कि अच्छा हो रहा है या अच्छा हुआ है, तो मेरा मन करता है कि यार काश! वो देख पाता। मुझे अभी भी उसके सपने आते हैं। सिर्फ मेरे साथ ही नहीं बहुत लोगों के साथ उनका रिश्ता है।' विपिन शर्मा ने बताया कि उन्हें इरफान की मौत से पहले भी और उनके जाने के बाद भी इरफान के सपने आते हैं। इस बारे में उन्होंने खुद इरफान को भी बताया था। मैंने उसे एक-दो बार कहा था कि यार तेरे बारे में ऐसा सपना आया। तो वह हंसकर कहता था कि बताया कर यार अच्छा लगता है। उन्होंने आगे कहा, मैं एक दोस्त से बात कर रहा था तो उसने कहा कि एक बार आंख बंद करके बैठो और इरफान से कहो कि अब तुम आगे बढ़ जाओ। हो सकता है कि हमारी भावनाएं उसे उसके अगले सफर में आगे बढ़ने से रोक रही हों। तो मैंने आंख बंद की और प्रार्थना करते हुए कहा कि इरफान, अगर तुम ठीक हो तो अब हमें तुम्हें रोकना नहीं चाहिए। लेकिन इसके बावजूद आज भी वो सपनों में आता है। विपिन शर्मा ने इरफान से अपनी आखिरी मुलाकात और उनके आखिरी दिनों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मेरी उससे (इरफान) आखिरी मुलाकात लंदन में हुई थी। उसी दिन जब उसकी कीमोथेरेपी शुरू हुई थी। मैं अस्पताल गया और चौथी मंजिल पर उसके कमरे में पहुंचा। वहां जाकर मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि उसके बिस्तर के पास रूमी की एक किताब रखी थी। उस हालत में भी वो पढ़ रहा था। यह देखकर दिल को बहुत तसल्ली मिली। विपिन शर्मा ने आगे कहा, वह सब कुछ देख रहा था। वह एक फाइटर था। मैं उस दर्द के बारे में बता भी नहीं सकता, जो उसने सहा। लेकिन वह हमेशा जिज्ञासु रहता था।

खिलौना खरीदने तक के नहीं थे पैसे, घर का किराया भरने में भी आती थी मुश्किलें...

रश्मिका ने बचपन में स्ट्रगल को देखा है. वे बोली मुझे याद है कि कैसे रहने के लिए जगह ढूंढ़ना और किराया चुकाना मुश्किल हो जाता था...

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आज साउथ इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं. उन्हें पुष्पा, एनिमल जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है. रश्मिका आज लग्जरी लाइफस्टाइल फॉलो करती हैं. लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उनकी फैमिली ने फाइनेंशियल प्रॉब्लम का सामना किया था. एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो पॉपुलैरिटी और फेम को हल्के में नहीं लेती हैं. एक समय था जब हम हर दो महीने में घर बदल लेते थे. मैंने बचपन में इन चीजों (स्ट्रगल) को देखा है. मुझे याद है कि कैसे रहने के लिए जगह ढूंढ़ना और किराया चुकाना मुश्किल हो जाता था. एक्ट्रेस ने बताया कि वैसे तो उनके पेरेंट्स कभी भी उनकी किसी डिमांड को पूरा करने से मना नहीं करते थे, पर उन्हें पता था कि उनके पेरेंट्स खिलौना अफॉर्ड नहीं कर सकते इसीलिए वो पेरेंट्स से मांगती नहीं थी. उन्होंने कहा था- दिल से मैं आज भी वो लड़की हूं जो वो खिलौना अफॉर्ड नहीं कर सकती. मैं जो पैसा कमाती हूं, जो प्यार मुझे मिलता है, जो पहचान मुझे मिली है, उसका मैं सम्मान करती हूं. मेरी बचपन की यादें मुझे सफलता को हल्के में नहीं लेने देतीं, क्योंकि मैं जानती हूं कि ये हमेशा के लिए नहीं रहेगी।

इन फिल्मों में एक्ट्रेस ने किया काम: *रश्मिका मंदाना के करियर की बात करें तो वो सक्सेस एंजॉय कर रही हैं. एक्ट्रेस को नेशनल क्रश का टैग तक मिल चुका है. उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया है और अब वो बॉलीवुड में भी किस्मत आजमा रही हैं. फिल्म गुडबाय से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया था. फिर वो मिशन मजनू में भी नजर आई थीं. रश्मिका ने अंजनी पुत्र, चमक, चलो जैसी फिल्में की हैं. फिल्म गीता गोविंदम, डियर कॉमरेड, पुष्पा, सीता रामम से रश्मिका को नेम-फेम मिला. उनकी क्यूटनेस को फैंस ने काफी पसंद किया. पिछली बार वो फिल्म एनिमल में नजर आईं. इस फिल्म में वो रणबीर कपूर के अपोजिट रोल में थीं.*

युवक पर तलवार से हमला, हाथ में दो जगह गंभीर चोट

भोपाल। श्यामला हिल्स थाने से कुछ दूरी पर कच्चा बंगला क्षेत्र में घात लगाकर बैठे दो बदमाशों ने युवक पर तलवार से

हमला कर दिया। तलवार का हमला हाथ से रोकने के कारण युवक के दाहिने हाथ में गंभीर चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने युवक की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 36 साल के समीर आगा खान, श्यामला हिल्स थाने के पास सीएम हाउस के पीछे रहते हैं और दुबई रहकर जॉब करते हैं। कार से उतरते ही दो बदमाशों ने किया हमला वे ईद में भोपाल अपने घर आए हुए थे। उन्होंने बताया कि बुधवार रात वे अपने परिचित अफजल भाई के घर गिन्नौरी गए थे। वहां से रात करीब साढ़े 10 के आसपास घर लौटे। कच्चा बंगला क्षेत्र के पास उन्होंने कार रोकी और कार से उतरकर घर की तरफ जा रहे थे, तभी घात लगाकर बैठे दो बदमाशों ने उन पर तलवार से हमला कर दिया। पहला हमला सिर के पास हुआ था। हालांकि वह आगे बढ़ गए तो तलवार सिर पर नहीं लगी। दूसरा हमला उन पर किया गया तो उन्होंने अपने हाथ से रोक लिया था। इससे उनके हाथ में दो जगह गंभीर चोट आई है। गुरुवार को उनका निजी अस्पताल में ऑपरेशन हुआ। पत्नी से चल रहा है विवाद समीर ने बताया कि उनकी चार साल पहले मलिक परिवार में शादी हुई थी। पत्नी एक महीने ससुराल में रही और मायके चली गई। इसके बाद से ही उनका कोर्ट में केस चल रहा है। दोनों परिवार के बीच सलाह होने के बाद समझौता होने की बात तय हुई थी। वह समझौता करने के लिए भोपाल में रुके हुए थे। उन्होंने बताया कि करीब चार दिन से उन्हें लग रहा था कि कोई उनका पीछा कर रहा है। उन्होंने हमले के पीछे मलिक परिवार पर आशंका जताई है।

फर्जी बैंक स्टेटमेंट और सैलरी स्लिप लगाकर 9 लाख का कार लोन

भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित हमीदिया रोड पर की इंडियन बैंक से फर्जी दस्तावेज के माध्यम से साढ़े 9 लाख रुपए

का लोन लेने का मामला सामने आया है। जांच में यह बात सामने आई कि बैंक का फर्जी स्टेटमेंट और सैलरी स्लिप भी फर्जी लगाई गई है। पुलिस ने शाखा प्रबंधक की शिकायत पर महिला समेत दो लोगों पर धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि शरद कुमार इंडियन बैंक की हमीदिया रोड शाखा में प्रबंधक हैं। उन्होंने शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि अगस्त 2024 में उनके बैंक से साढ़े नौ लाख रुपए का कार लोन लिया गया था। कार डिलीवर होने के बाद हुआ खुलासा, महिला समेत दो पर प्रकरण दर्ज अशोका गार्डन इलाके में रहने वाली महिला संगीता गोस्वामी के बैंक खाते की स्टेटमेंट व सैलरी स्लिप समेत अन्य दस्तावेज लगाए गए थे। दस्तावेज के आधार पर बैंक ने जितेन्द्र चराड़ व संगीता गोस्वामी को साढ़े नौ लाख रुपए का कार लोन एप्रूव किया था। लोन एप्रूव होने पर कार एजेंसी से कार भी डिलीवर हो गई थी।

बर्तन साफ कर रही महिला को कूलर से लगा करंट, मौत

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित जैन मंदिर के पास शंकराचार्य नगर में गुरुवार दोपहर बर्तन साफ कर रही महिला को

करंट लग गया। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां से हमीदिया अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर ने चेक करने के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार द्रोपती मीणा पति राजू ठाकुर (40) जैन मंदिर के पीछे, शंकराचार्य नगर में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति कबाड़ा खरीदने ठेला लगाता है। गुरुवार दोपहर द्रोपती मीणा घर की गैलरी में बर्तन साफ कर रही थी, वहीं पास कूलर रखा हुआ था। बर्तन साफ करते समय वह कूलर के संपर्क में आ गई। कूलर में करंट आ रहा था और संपर्क में आते ही उसे करंट तगड़ा झटका लगा था। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पति की एक साल पहले हुई थी मौत बीमारी और घुटनों के दर्द से थी परेशान

बुजुर्ग महिला की खेत में अधजली लाश मामले में आत्महत्या की आशंका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना गांव हिनोतिया आलम में सौम्या इवरग्रीन कॉलोनी के पीछे गुरुवार सुबह खेत में बुजुर्ग महिला की जली हुई लाश मिलने से सनसनी फैल गई। बुजुर्ग के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला था, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। हालांकि शाम तक पुलिस ने महिला की शिनाख्त कर ली। वह देर रात घर से निकली थी। इसके बाद उनकी लाश खेत में जली हुई अवस्था में मिली। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार सौम्या इवरग्रीन कॉलोनी हिनोतिया आलम में गुरुवार सुबह एक महिला की लाश बरामद की गई थी। लाश कॉलोनी के पीछे खेत में नाले के पास पड़ी थी और करीब 70 फीसदी जली हुई थी। लाश जली होने के कारण उम्र का तकाजा लगाना मुश्किल था। अनुमान लगाया जा रहा था कि उसकी उम्र 30 से 35 साल के आसपास होगी। पुलिस को घटनास्थल से ऐसे कोई भी दस्तावेज नहीं मिले थे, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके।

बेटे ने की मां की शिनाख्त

पुलिस ने इलाके में लोगों से पूछताछ की। इसी बीच सैम्या इवरग्रीन कॉलोनी निवासी विवेक शुक्ला ने पुलिस से संपर्क किया। उसने पुलिस को बताया था कि बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात उसकी मां उर्मिला शुक्ला (62) घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। पुलिस ने मर्चूरी में रखा उर्मिला शुक्ला का शव दिखाया। विवेक ने अपनी मां की पहचान कर ली। विवेक ने बताया कि उनके पिता की एक साल पहले मौत हो गई थी। पिता की मौत के बाद से मां दुखी रहती थी। उम्रदराज होने के कारण वह बीमार भी थी और उनके घुटनों में दर्द रहता था। असहनीय दर्द होने के कारण वे पैरों के दोनों घुटनों पर नी-कैप पहनती थी।

सीसीटीवी कैमरे में जाती हुई आई नजर

कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरे देखने पर पता चला कि उर्मिला रात करीब डेढ़ बजे घर से निकली थी। इसके बाद खेत में जलती हुई आग नजर आई। घटनास्थल से कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं मिला है। ऐसे में उर्मिला ने आग लगाकर आत्महत्या कैसे कर ली इसकी जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गत 9 अप्रैल को जेके रोड पर उनका एक्सीडेंट हो गया था। परिजन इलाज कराने के बाद उन्हें घर ले आए थे। 10 अप्रैल की रात चक्कर आने के कारण वह बाथरूम में गिर गए थे। परिजन उन्हें एम्स लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान 6 दिन बाद गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। जेके रोड पर एक्सीडेंट के बाद अस्पताल से छुट्टी कराकर ले आए थे परिजन पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार शुभम कटारिया पिता कमला कटारिया (40) सम्राट कॉलोनी, अशोका गार्डन में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। गत 9 अप्रैल को वे बाइक से जेके रोड होते हुए घर आ रहे थे। इस दौरान सड़क पर खड़े वाहन से उनकी बाइक टकरा गई। सिर में चोट होने के कारण उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान अगले ही दिन 10 अप्रैल को परिजन उन्हें घर ले आए। रात में करीब साढ़े 10 बजे उन्हें बाथरूम में चक्कर आया और वह गिर गए। परिजन इस बार उन्हें एम्स लेकर पहुंचे, वहां उनका इलाज चल रहा था। एम्स में इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई।

आईटी पार्क की तीसरी मंजिल से गिरकर युवक की मौत

इधर, गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आईटी की तीसरी मंजिल से मिस्त्री का बेटा गिर गया। घटना गुरुवार दोपहर की है। उसे नजदीक स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार शम्शुद्दीन पिता शिराजुद्दीन (20) पीजीबीटी कॉलेज के पास गौतम नगर में रहता था। वह कॉलेज में पढ़ता था। उसके पिता शिराजुद्दीन मिस्त्री हैं। वे ठेकेदार के अंडर में काम कर रहे हैं। शिराजुद्दीन ने पुलिस को बताया कि उनका काम आईटी पार्क में चल रहा है। वे तीसरी मंजिल पर काम कर रहे थे। गुरुवार दोपहर बेटा शम्शुद्दीन उनके लिए टिफिन लेकर पहुंचा था। इस दौरान उसने तीसरी मंजिल से नीचे झांककर देखा। नीचे देखते ही उसे चक्कर आ गया और वह तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया था।

रेडक्लिफ स्कूल को झटका, नहीं मिली मान्यता

मासूम से दरिंदगी का मामला, कलेक्टर ने कहा अब संचालन नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के रेडक्लिफ स्कूल में मासूम बच्ची से दरिंदगी का मामला सामने आने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग से रेडक्लिफ स्कूल प्रबंधन को बड़ा झटका मिला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने इस बार रेडक्लिफ स्कूल को मान्यता नहीं दी है।मान्यता अस्वीकृत होने से रेडक्लिफ स्कूल प्रबंधन सत्र 2025-26 से स्कूल का संचालन नहीं कर सकेगा। मामले में भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा भी नए आदेश जारी किए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि प्रकरण सामने आने के बाद शिकायत की जांच स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा की गई।जांच प्रतिवेदन में स्कूल की मान्यता मार्च, 2025 को समाप्त किये जाने की अनुशंसा की गई थी और शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्कूल का नवीनीकरण न करने के निर्देश दिए गए थे।जिला शिक्षा केंद्र द्वारा राज्य शिक्षा केन्द्र से अनुमोदन चाहा गया था। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा मामले में कहा गया है कि रेडक्लिफ स्कूल की मान्यता प्रत्याहरण प्रस्ताव का शासन द्वारा अनुमोदन दिया गया है। इसलिए स्कूल की शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कक्षा 1 से 8 तक की मान्यता वापिस लिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। वर्तमान में रेडक्लिफ स्कूल द्वारा किए गए मान्यता नवीनीकरण प्रस्ताव को जिला शिक्षा केन्द्र से अस्वीकृत किया जा चुका है। कलेक्टर द्वारा आदेश में कहा गया है कि शासन के निर्णयानुसार मान्यता अस्वीकृत कर दिए जाने से रेडक्लिफ स्कूल सत्र 2025-26 से स्कूल का संचालन नहीं कर सकेगी।

ट्रांसफॉर्मर में धमाका: जांच के आदेश, कार्यवाही की रिपोर्ट तलब

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले दो मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल के शाहजहांनाबाद के संजय नगर में ट्रांसफॉर्मर में धमाका होने का है। आयोग ने करीब 17 घरों में करंट फैलने और करंट एक व्यक्ति की मृत्यु होने की इस घटना पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर, एवं सीएमडी, म.प्र. म.क्षे.वि.वि.क.लि. को जांच के निर्देश दिए है। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में लिया संज्ञान इसके साथ ही मृतक के उत्तराधिकारियों को शासन की योजना अनुसार देय आर्थिक मुआवजा राशि तथा घटना के लिये उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि इलाके में ट्रांसफॉर्मर में धमाका होने के बाद इलाके के घरों में करंट फैल गया जिससे 17 घरों में फ्रिज, कूलर, टीवी और पंखे जैसे उपकरण जल गए और एक व्यक्ति की मृत्यु भी हो गई। इसी तरह जहांगीराबाद स्थित छोटे तालाब के ऊपर बनी रहट की दीवार के रखरखाव नहीं होने के कारण कई जगह से दीवार गिरने का मामला सामने आया है। इस पर आयोग ने कलेक्टर, भोपाल एवं आयुक्त, नगर निगम से मामले की जांच कराकर जन सुरक्षा एवं संभावित जनहानि के निवारण हेतु छोटे तालाब की रहट को सुरक्षित किये जाने के संबंध में आवश्यक सुरक्षा उपायों को सुनिश्ति किये जाने के संबंध में प्रतिवेदन मांगा है।

आत्महत्या : बुजुर्ग ने खेत पर लगाई ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव रायपुर में बुजुर्ग ने खेत पर फांसी लगा ली। उनकी लाश उनकी पत्नी ने खेत में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकी देखी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला

थाना प्रभारी दुर्जन सिंह बरकड़े ने बताया कि बाला प्रसाद अहिरवार (60) गांव रायपुर में रहते थे और खेती किसानी करते थे। वह शराब पीने का आदी थे और प्रतिदिन शराब पीकर खेत जाते थे। बुधवार रात भी वह शराब पीकर खेत चले गए थे। खाना खाने के लिए उनकी पत्नी उन्हें खेत पर बुलाने पहुंची। इस दौरान खेत वाले टपरे में वे नहीं मिले। उनकी तलाश की गई तो खेत में उनका शव पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला।

मेट्रो एंकर शराब तस्करी में शामिल होने का दबाव बना रहा था बदमाश, पुलिस ने साधारण मारपीट का दर्ज किया प्रकरण

चाकू की नोंक पर टैक्सी ड्राइवर का अपहरण व पिटाई, बेसुध हुआ तो शरीर पर की पेशाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित आकृति ईको सिटी के पास बुधवार रात निगरानी बदमाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर टैक्सी ड्राइवर का चाकू की नोक पर अपहरण कर लिया। आरोपी बाइक पर बिठाकर उसे पंचशील नगर स्थित एक कमरे में ले गए और जमकर मारपीट की। मारपीट में वह बेसुध हो गया तो आरोपियों ने उस पर पेशाब भी की। होश आने पर बदमाशों ने उसे यह कहते हुए छोड़ दिया कि पुलिस से शिकायत की तो जान से खत्म कर देंगे। आरोपी उस पर शराब तस्करी में शामिल होने का दबाव बना रहे थे। पुलिस के मुताबिक रोहित नगर फेस-टू निवासी देवेन्द्र लोधी (33) पेशे से टैक्सी ड्रायवर है। बुधवार

रात करीब साढ़े 10 बजे वह पैदल आकृति ईको सिटी से होता हुआ जा रहा था।

इस दौरान तरुण पारछे अपने तीन-चार साथियों के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए देवेन्द्र के साथ मारपीट की। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पुरानी रंजिश है। मारपीट करने के बाद बदमाशों ने चाकू की नोक पर देवेन्द्र का बाइक से अपहरण कर लिया। अपहरण करने के बाद बदमाश उसे पंचशील नगर के एक सूने कमरे में ले गए और वहां भी बंधक मारपीट पीटते रहे। चाकू से हमला कर पेशाब किया फरियादी देवेन्द्र लोधी ने आरोप लगाया है कि बदमाश उसे बेहोश होने तक पीटते रहे। वह उस पर शराब तस्करी में शामिल होने का दबाव बना रहे थे। इनकार करने पर चाकू से चार-पांच जगह चिराटे भी मारे। एक बदमाश ने उस पर पेशाब भी किया। होश में आने पर तरुण पारछे ने उसे छोड़ते हुए धमकी दी कि यदि किसी को घटना की जानकारी दी या रिपोर्ट दर्ज कराई तो जान से खत्म कर देंगे। महिला रिश्तेदार ने किया हंगामा फरियादी देवेन्द्र लोधी ने बताया कि आरोपियों के चंगुल से मुक्त होने के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराने टीटी नगर थाने पहुंचा। वहां शिकायत दर्ज कराना चाही लेकिन पुलिस ने यह कहते हुए रिपोर्ट नहीं लिखी कि तुम्हारा अपहरण शाहपुरा क्षेत्र से हुआ है इसलिए रिपोर्ट भी उसी थाने में लिखी जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022